श्रेय (Śreya - Créditos)

कृति का शीर्षक (Kṛti kā Śīrṣak – Título de la obra): “पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि” (“Pābulo Nerudā ko Śraddhāñjali”)

लेखक (Lekhak - Autor): अल्फ्रेड आसिस (Alfred Asís)

चित्रण, तस्वीरें, डिज़ाइन, रेखांकन और संपादन (Citraṇ, Tasvīrẽ, Ḍijā'in, Rekhāṅkan aur Saṁpādan - Ilustraciones, fotografías, diseño, diagramación y edición): अल्फ्रेड आसिस (Alfred Asís)

यह पुस्तक **जीवन की एक यात्रा** है,
एक अंतहीन क्षितिज की ओर शब्दों,
छवियों और भावनाओं से बनी एक यात्रा।
प्रत्येक पृष्ठ नेरुदा की आत्मा के लिए एक खुली खिड़की है,
उनकी गहरी प्रकृति के लिए, पहाड़ों, समुद्रों और ग्लेशियरों में
छिपी उनकी आवाज़ों के लिए।

Alfred Asís
Isla Negra

Chile

पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि
(Pābulo Nerudā ko Śraddhāñjali – Homenaje a Pablo Neruda)

यह अल्फ्रेड आसिस द्वारा दी गई एक श्रद्धांजलि है।
वे रचनाएँ जो 2011 की पुस्तक
"पाब्लो नेरुदा को एक हजार कविताएँ"
("Mil poemas a Pablo Neruda") का हिस्सा हैं, उनके अलावा,
उनमें से 13 को क्यूबा के गायक-गीतकार एरिक कोबास
(Eric Cobas) द्वारा संगीतबद्ध और गाया गया है।

2025-A-5202

DEPARTAMENTO DE DERECHOS INTELECTUALES
DIRECCIÓN DE BIBLIOTECAS, ARCHIVOS Y MUSEOS

Ministerio de las Culturas, las Artes y el Patrimonio
Gobierno de Chile

संपादन और प्रकाशन (Saṁpādan aur Prakāśan - Edición y Publicación)

संपादन, प्रकाशन

(Saṁpādan, Prakāśan): अल्फ्रेड आसिस फेर्रांडो (Alfred Asís Ferrando)

चेतावनी (Cētāvanī - Advertencia):

इस पुस्तक के सभी भाग, कवर के डिज़ाइन सहित, लेखक की अनुमति से, सामग्री और उसकी पूरी संरचना का सम्मान करते हुए, इलेक्ट्रॉनिक, रासायनिक, यांत्रिक, ऑप्टिकल, रिकॉर्डिंग या फोटोकॉपी जैसे किसी भी माध्यम से पुनरुत्पादित (reproduced), संग्रहीत (stored) या प्रसारित (transmitted) किए जा सकते हैं।

यह **प्रिंट करने के लिए स्वतंत्र (Libre para imprimir)** है। यदि यह कोई आर्थिक संसाधन उत्पन्न करता है, तो अनुरोध है कि इसका उपयोग दुनिया के लोगों के छात्रों के विकास के लिए **साहित्य और संस्कृति** में किया जाए।

Isla Negra, diciembre 2025

poeta@alfredasis.cl (©) **2024-S-507**

www.alfredasis.cl

स्पष्टीकरण (Spaṣṭīkaraṇ - Aclaración)

स्पष्टीकरण (Aclaración): बोलियाँ (dialects) और कविताओं में रूपकों (metaphors) का उपयोग कभी-कभी कुछ भाषाओं में शाब्दिक परिभाषा (literal definition) नहीं रखते हैं। केचुआ (Quechua), मापुदुंगुन (Mapudungun), स्वाहिली (Swahili), अरबी (Arabic), यूरोपीय या रापा नूई (Rapa Nui) जैसी समृद्ध सांस्कृतिक संदर्भों वाली भाषाओं में कविता का अनुवाद करना एक बड़ी चुनौती और सुंदरता है। (इन अनुवादों में, उद्देश्य शाब्दिक (literal) नहीं हो सकता है, बल्कि गहरा अर्थ (profound meaning), भावना (mana या sunqu) और रूपक की काव्य छवि (poetic image) को संप्रेषित करना है।)

यहाँ, नेरुदा की कविता नहीं है, बल्कि यह उनके कवि की आत्मा है जो उनके द्वारा देखी गई दृष्टियों के सामने खुद को उजागर करती है। अल्फ्रेड आसिस ने जानबूझकर सबसे सरल शब्द का इस्तेमाल किया है, ताकि अनुवाद में यह इतना जटिल न हो और हर कोई संदेशों को अधिकतम रूप से समझ सके।

ये पाठ नेरुदा की प्रेरणा की जड़ में गहराई तक जाते हैं, इसे "एक संयमी और वाचाल दृष्टिकोण" से वर्णित करते हैं। यह एक दिलचस्प विरोधाभास है: "संयमी" (austere) संयम और अनिवार्यता का सुझाव देता है, जबकि "वाचाल" (locuaz) अभिव्यक्ति की प्रचुरता या समृद्धि को दर्शाता है। दृष्टिकोण पर लागू होने पर, इसका मतलब यह हो सकता है कि एक परिप्रेक्ष्य

जो, नेरुदा की समझ में मौलिक रूप से सरल और सीधा है, वह एक मौखिक समृद्धि के साथ व्यक्त होता है जो "सभी प्राकृतिक और ब्रह्मांडीय सार का जश्न मनाता है जिसे पाब्लो नेरुदा ने अपनी कृतियों को बनाने के लिए देखा था।" यह नेरुदा के प्रकृति और ब्रह्मांड के साथ गहरे जुड़ाव को उनकी कविता के प्राथमिक स्रोतों के रूप में रेखांकित करता है, ऐसे तत्व जिन्हें वह "देखने" (vislumbrar) और कला में बदलने में सक्षम थे।

यही अल्फ्रेड आसिस इस पुस्तक में करते हैं, नेरुदा को और उनके चीजों को देखने के तरीके को संबोधित करते हुए कविता का निर्माण करते हैं और एक ऐसी दुनिया में सैकड़ों चीजों की खोज करते हैं जिसकी कल्पना की जा सकती थी या जिसे जिया जा सकता था।

इस संबंध में किया गया विश्लेषण उच्च स्तर का है, क्योंकि यह एक ऐसे मार्ग की तरह है जिसे कोई भी छू सकता है और उसमें डूब सकता है, अपने जीवन को कविता बनाने के लिए बदल सकता है और शायद एक महान नेरुदा या एक महान मिस्ट्राल बन सकता है, केवल कार्यप्रणाली के अलावा सबसे करीबी वातावरण से लेकर सबसे दूर के वातावरण तक, ऊपर, ब्रह्मांड में, खोजना होगा।

एक उदाहरण के तौर पर हम कह सकते हैं: आप अपने सामने एक पेड़ देखते हैं, यह सिर्फ एक पेड़ है, लेकिन अगर आप रुककर उसका विश्लेषण करते हैं, तो उस पेड़ में कितनी विविधता है: वह रस जो उसका खून है और उसके अंदर संचारित

होता है, वह गोंद जो रिसता है जब उसकी छाल का एक टुकड़ा काटा जाता है और वही छाल उसका लिबास है, फिर शाखाएँ आती हैं जो हरे पत्तों से भरी हुई जन्म लेती हैं जो प्रकाश संश्लेषण का काम करती हैं, छाया देती हैं और जब पतझड़ उन्हें जमीन पर गिराता है तो वे खाद और छोटे कीड़ों के लिए सुरक्षा बन जाती हैं और फिर कुछ में फल और दूसरों में फूल दिखाई देते हैं, सुगंध और उसकी भुजाएँ आकाश की ओर उठती हैं, सूरज की तलाश करती हैं, जड़ें जमीन पर उसकी लंगर हैं और वे आवश्यक तत्वों को अवशोषित करती हैं जो उसके विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं और एक दिन आता है जब उसे काट दिया जाता है और फिर वह नावों, पुलों, घरों और फर्नीचर के लिए काम आता है और सबसे मौलिक बात यह है कि वे पृथ्वी पर हजारों किलोमीटर को कवर करते हैं, उसे कटाव से बचाते हैं और बड़ी संख्या में जानवरों और पक्षियों के लिए निवास स्थान के रूप में काम करते हैं, फिर उन्हें रोटी बनाने वाले ओवन और अलाव के लिए जलावन के रूप में काटा जाता है, उन्हें मनुष्यों द्वारा प्रबंधित फसलों के लिए जमीन का उपयोग करने के लिए जलाया जाता है...

"पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि" की प्रस्तावना

(Pābulo Nerudā ko Śraddhāñjali" kī Prastāvnā)

एक कवि से दूसरे कवि के लिए

(Ek Kavi se Dūsre Kavi ke Liye)

लेखक: फ़िडेल अलकैंटारा लेवानो

(Lekhak: Fiddel Alakaiṇṭārā Levāno) Perú

अदम्य रचनात्मकता के साथ कविता के एक असीमित प्रतिनिधि के प्रति, जिसने एक ऐसे नेरुदा ब्रह्मांड का निर्माण किया जिसकी नकल करना असंभव है — यह उच्च प्रशंसा और स्वीकृति का एक उदाहरण है।

अल्फ्रेड आसिस की कृति "पाब्लो नेरुदा के साथ मुलाकात" ("Encuentro con Pablo Neruda") में, एक ऐसा कवि जो समय या उम्र से परे है, अपनी सत्ता की ब्रह्मांडीय शक्ति और अपनी नवीन अंतरात्मा की दिव्य साँस के साथ, भाई के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में अपना गीत उठाता है और दुनिया को रचनाओं का एक गुलदस्ता दिखाता है, उस व्यक्ति को समर्पित अपनी प्रेरणाओं को अमर करने के सहज और स्वाभाविक उत्साह के साथ जो मानवता में एक अप्राप्य काव्य आयाम का संश्लेषण करता है: पाब्लो नेरुदा।

अल्फ्रेड स्वयं अमरता के लिए एक कविता हैं, क्योंकि वह छंद-रचनाओं के एक अटूट स्रोत के स्वामी हैं।

इस ग्रह के महान साहित्यकारों की विनम्रता के साथ, जिसके हम क्षणिक किरायेदार हैं।

जो अहंकार के एक अंश के बिना, उसे वह श्रेणी देते हैं जो वास्तव में इसका हकदार है और एक अंतहीन कवि के रूप में उनके निर्विवाद सार के कारण उन्हें सितारों तक उठाता है।

यही कारण है कि वह अपनी बहुरंगी आवाज़ को चारों दिशाओं में फेंकते हैं और अपनी आकर्षक वीणा से अपना सारा आध्यात्मिक उत्साह निकालते हैं और कविता में बदल जाते हैं, जैसे कि पाब्लो नेरुदा की विरासत को पहले से कहीं अधिक सार्वभौमिक बनाना चाहते हों और अपनी संगीत से चारों ओर के पूरे संसार को भरना चाहते हों और उस चीज़ से भी परे जिसे आँखें सामान्यतः देखती हैं और कान नहीं सुनते, उस व्यक्ति के अभिमान के कारण जिसके पास कल्पना नहीं है।

इस कारण से, अल्फ्रेड गीतात्मक आवेग के एक उभार में अपना अटूट गीत सुनाते हैं जो अमर भावनाओं का एक अटूट भंडार निकालने के लिए पुरानी यादों की गूँज और अपार भीड़ की तालियों को जानता है और छंदों को बुनता चला जाता है, यहाँ तक कि सुंदरता और रंगीनता का एक अंतहीन कालीन बनाता है जो आत्मा को स्वर्गीय आनंद से भर देता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि पाब्लो और अल्फ्रेड दोनों की भेंट उस स्वतंत्रता की चाहत रखने वाली आत्माओं का सच्चा और

अद्वितीय भोजन है जो खुशी के लक्ष्य में अपनी अनंत प्राप्ति की तलाश करती हैं।

महानता की दहलीज की लालसा रखने वाले प्राणियों के स्पष्ट क्षितिज में उन्हें प्रदान करके।

वे वास्तविक दीपस्तंभ बन जाते हैं जो अस्तित्व की क्षणिक धड़कनों को लक्ष्यों, सपनों और चुनौतियों की ओर मार्गदर्शन करते हैं, जो पृथ्वी पर जीवन के अनुभव का एक उदाहरण है।

जिनके अमिट पदचिह्न काल्पनिक रातों में अच्छाई के क्रूसिबल होंगे, जो शब्द के जादू के संचार के बारे में जिज्ञासा को प्रेरित करेंगे; लेकिन दोनों कवियों का योगदान हमेशा भविष्य के लिए एक मील का पत्थर बना रहेगा क्योंकि वे उत्कृष्टता के उच्च मंचों पर सच्चे वक्ता की अभिव्यक्ति हैं।

सदियों से, वे एक अमर मशाल बने रहेंगे जो उन सभी के गर्म कदमों का मार्गदर्शन करेगी जो इस छोटे से सांसारिक सफर में उत्कृष्टता की दहलीज को प्राप्त करने के लिए अपनी सबसे प्रिय आकांक्षाओं को साकार करने के लिए इसे एक जीवन रूप मानते हैं। अल्फ्रेड इस बात से अवगत हैं कि वह दूसरों के लिए सबसे अच्छी विरासत अपनी कविताओं के माध्यम से छोड़ सकते हैं जो उनके अस्तित्व से उसी तरह उत्पन्न होती हैं जैसे हर सुबह की मुस्कान।

वे कविता में बिना रुके सोचते हैं, महसूस करते हैं, बात करते हैं, क्योंकि उनका सांसारिक मिशन शब्द के जादू के साथ स्नेह और शांति देना है और अपनी संगीत और सद्भाव के माध्यम

से एक नया मार्ग दिखाना है जिसमें जीवन की गुणवत्ता और सामान्य कल्याण कल और आज के बीच का अंतर चिह्नित करे और जिसकी हवा चेहरे पर पुनर्मिलन के आलिंगन या विदाई के चुंबन की तरह महसूस हो।

यह एक सच्चा संगीत समारोह है जो अपने उच्चतम अभिव्यक्ति में मूल्यांकन खोलना चाहता है ताकि ग्रह पर एक ऐसी कविता का समाजीकरण हो सके जिसे भूलने के लिए समय नहीं है और न ही रोकने के लिए कोई बाधा है क्योंकि यह कभी न मरने के लिए जन्मी है।

प्रस्तावना का सारांश (फ़िडेल अलकैंटारा लेवानो द्वारा)

यह अल्फ्रेड आसिस फेर्रांडो की कविता पुस्तक "पाब्लो नेरुदा के साथ मुलाकात" ("Encuentro con Pablo Neruda") की प्रस्तावना है, जो पाब्लो नेरुदा को एक श्रद्धांजलि है। इस पुस्तक का एक हिस्सा क्यूबा के गायक-गीतकार एरिक कोबास (Eric Cobas) द्वारा संगीतबद्ध और गाया भी गया है।

यहाँ फ़िडेल अलकैंटारा लेवानो द्वारा लिखित प्रस्तावना के मुख्य बिंदु संक्षेप में दिए गए हैं:

प्रशंसा और स्वीकृति:

यह पुस्तक पाब्लो नेरुदा के प्रति गहरी प्रशंसा का एक उदाहरण है, जिन्हें एक अतुलनीय कवि माना जाता है।

अल्फ्रेड आसिस, जिन्हें "समय या उम्र के बिना कवि" के रूप में वर्णित किया गया है, नेरुदा को श्रद्धांजलि में अपना गीत उठाते हैं।

अल्फ्रेड आसिस की कृति:

"पाब्लो नेरुदा के साथ मुलाकात" ("Encuentro con Pablo Neruda") उन रचनाओं का एक संग्रह है जो नेरुदा द्वारा प्रस्तुत प्रेरणा को अमर बनाना चाहती हैं।

नेरुदा की महानता को स्वीकार करने में विनम्रता पर जोर दिया गया है।

कविता को "छंद-रचनाओं का एक अटूट स्रोत" के रूप में वर्णित किया गया है।

नेरुदा की विरासत:

प्रस्तावना पाब्लो नेरुदा की विरासत की सार्वभौमिकता पर प्रकाश डालती है, जो बाधाओं को पार करती है और आत्मा की गहराइयों तक पहुँचती है।

दोनों कवियों की कृतियाँ "स्वतंत्र आत्माओं का एक सच्चा और अद्वितीय भोजन" के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं।

मार्गदर्शक के रूप में कविता:

नेरुदा और अल्फ्रेड आसिस दोनों की कृतियाँ "दीपक" के रूप में देखी जाती हैं जो "अस्तित्व की क्षणिक धड़कनों का मार्गदर्शन करते हैं।"

कविता के महत्व पर जीवन के एक रूप और उत्कृष्टता प्राप्त करने के साधन के रूप में जोर दिया गया है।

अल्फ्रेड आसिस का संदेश:

अल्फ्रेड आसिस अपनी कविता के माध्यम से स्नेह, शांति और आकर्षण को संप्रेषित करना चाहते हैं।

उनका उद्देश्य बेहतर जीवन गुणवत्ता और सामान्य कल्याण को बढ़ावा देना है।

वह चाहते हैं कि उनकी कविता हमेशा के लिए बनी रहे।

संक्षेप में, प्रस्तावना इस पुस्तक को पाब्लो नेरुदा को एक हार्दिक श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत करती है, जो उनके काम की महानता और अन्य कवियों जैसे अल्फ्रेड आसिस में उनकी प्रेरणा को उजागर करती है।

महान कवि पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि

(महान कवि पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि) अल्फ्रेड आसिस द्वारा जोस हिल्टन रोजा – ब्राजील द्वारा

अल्फ्रेड आसिस ने सम्मानित व्यक्तित्व, पाब्लो नेरुदा, के लिए अपने पूरे ज्ञान और प्रशंसा के साथ लिखा है। यह एक प्रामाणिक पुस्तक है। चिली के इस्ला नेग्रा में उनके हमवतन की बौद्धिक आदतों की स्पष्टता। यह एक प्रामाणिक सामग्री वाली पुस्तक है जो पाठक को पाब्लो नेरुदा को जानने और उनकी प्रशंसा करने का अवसर प्रदान करती है।

नेरुदा को श्रद्धांजलि में कविताएँ

एक काव्य दृष्टिकोण के साथ, अल्फ्रेड आसिस प्रकृति, पेड़ों के बारे में लिखते हैं। मानो वे हम मनुष्यों से बात कर रहे हों, वही जो पाब्लो सराहते थे, प्रशंसा करते थे। वह एक ऐसे पाब्लो का वर्णन करते हैं जो दिन-रात पृथ्वी के करीब रहता है। वह उन्हें एक कविता के समान ऊँचा उठाते हैं। वह उन परिदृश्यों का आह्वान करते हैं जिन्होंने नेरुदा के जीवन और काम को भी चिह्नित किया। लेखक अल्फ्रेड आसिस पाठकों को यह बताते हैं कि महान कवि पाब्लो नेरुदा कौन थे। अपनी रचनात्मक प्रक्रिया के साथ उन्होंने चिली के लेखक नेरुदा द्वारा छोड़ी गई विरासतों को स्पष्टता से लिखा। उन्होंने साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार कैसे प्राप्त किया, उस इंसान की सहानुभूति के साथ जिसने अपनी कविताओं को दुनिया के लिए दार्शनिक भोजन बना दिया। अल्फ्रेड आसिस ने पाब्लो को समर्पित कविताएँ बनाईं। उन्होंने

अपनी ही धुन के साथ छंदों में सुनाया। एक प्रसिद्ध कलाकार। पारदर्शिता के साथ, अल्फ्रेड पाब्लो के रोजमर्रा के कदमों को बयान करते हैं। यह बताते हैं कि उन्होंने कहाँ अपने पदचिह्न छोड़े। अपने निशान। काव्य उत्साह के साथ वह किसी भी कागज पर लिखने के विश्वास को शामिल करते हैं। एक पथिक के रूप में, कवि अल्फ्रेड पृथ्वी पर अथक को चिह्नित करते हैं। जिस जीवन की नश्वरता को वह जीते हैं, उसके लिए आशाओं के योद्धा। जूते पहनकर या नंगे पैर चलना, उनके कदम इस पथ के पत्थरों से थके हुए दर्द को कम करते हैं। वह आकाश की ओर उठते हैं, बिना यह देखे कि प्रत्येक छंद, प्रत्येक पुस्तक और चाँद के नीचे उनके वस्त्र कैसे जन्म लेते हैं। तूफानों के एक मंच पर, उन्होंने मरने से इनकार कर दिया। एक फूल की छवि, ताज़ी और सुंदर। अल्फ्रेड ने उस फूल की सुंदरता को पाब्लो की आत्मा से जोड़ा। सूक्ष्म छंदों के साथ उन्होंने पाब्लो की दिनचर्या लिखी। प्रकृति की कठोरता में स्कूल जाना। बारिश में, शरीर को भिगोते हुए, लेकिन स्कूल और शिक्षकों द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को सीखना कभी नहीं छोड़ा। नदी उन खेलों के स्रोतों में से एक थी जिनका अभ्यास बच्चा पाब्लो करता था, पत्थर फेंकना और पानी की सतह पर ध्वनि सुनना। एक साहसी बच्चे की आँखों से। अल्फ्रेड आसिस लिखते हैं: पाब्लो दक्षिण के लिए लिख रहे हैं। वह हर उस स्थान के जादू को चित्रित करते हैं जहाँ वह घूमते हैं और प्रशंसा करते हैं। पाब्लो की दृष्टि अल्फ्रेड के हाथों में कविता में बदल जाती है। वह अपने निवास के बिस्तर पर लिखते हैं। इस्ला नेग्रा। अपने निश्चित और धीमे कदमों के साथ वह वहाँ पहुँचे जहाँ हरियाली और मूल पौधे पाब्लो का उनके आत्मविश्वास भरे

कदमों के साथ स्वागत करते हैं। वह छंदों में सभी मार्गों का वर्णन करते हैं। वह कमरा जहाँ उन्होंने विश्राम किया, ने पाब्लो को उनके आगमन पर गले लगाया। अल्फ्रेड ने इसका वर्णन एक एक्रोस्टिक, PABLO NERUDA, के साथ किया। इस भूखंड के शिखर पर, जो आज एक पार्क है, मुझे अल्फ्रेड आसिस के हाथों से उस पुरस्कार को प्राप्त करने का सम्मान मिला, जो उन लेखकों के मूल्यांकन का प्रतीक है जो नेरुदा की भूमि पर संस्कृतियों और स्वागत से भरे क्षणों को जीते हैं और जी चुके हैं।

पाब्लो को श्रद्धांजलि देने वाले लेखक ने महिला का उल्लेख किया है। पाब्लो नेरुदा की निगाहों को पार करने वाली सहानुभूति। एक नाव में पाब्लो की छवि नदी के पानी का आनंद लेने के उनके रोमांच की सराहना करती है। अल्फ्रेड इसका वर्णन करने के लिए अपनी काव्य संवेदनशीलता का उपयोग करते हैं। वह एक ऐसी कविता बनाते हैं जो आँखों में उतर जाती है, पृथ्वी के शिखर पर एक ज्वालामुखी की क्रिया जहाँ समुद्र का पानी पाब्लो की आँखों के लिए दर्पण का काम करता है। रोमांटिक छंदों में लेखक, अल्फ्रेड, राहगीरों, यात्रियों की मुलाकात की भावनाओं का वर्णन करते हैं जो पाब्लो के घर का प्रतीक द्वार पर हैं। वह इस्ला नेग्रा को प्रेम, आलिंगन, प्रेमालाप के प्रेमियों के लिए एक आश्रय स्थल के रूप में बात करते हैं, उस दिनचर्या के भीतर जिसे पाब्लो नेरुदा ने अपनी प्रिय पत्नी के साथ जिया। अति उत्कृष्ट कौशल के साथ, वह पाब्लो की यात्राओं का गद्य में वर्णन करते हैं। वह देश जिन्हें उन्होंने अपने जीने की इच्छा के चरमोत्कर्ष पर जाना। वह इस पुस्तक के पाठकों के लिए

पाब्लो के पारिवारिक जीवन के दृश्यों को दर्ज करते हैं। कैसे उनका परिवार रोज़मर्रा की ज़िंदगी में व्यवहार करता था। वे भावनाएँ जो आँसू लाती थीं। उन जगहों से उनका लगाव जहाँ वह गुज़रे और रहे। वह "पिता पाब्लो" का उल्लेख करते हैं, उनकी बेटी माल्वा मरीना त्रिनिदाद रेयेस का एक पितृत्व पहलू, जिनकी अल्पायु में मृत्यु हो गई थी। एक काल्पनिक पितृत्व।

पाब्लो नेरुदा ने क्या लिखा और उनके जीवन से जुड़ाव:

- मापुचे भूमि के साथ झलक;
- प्रकृति के साथ जागृति;
- उनकी कविता का जन्म कैसे हुआ;
- मारूरी स्ट्रीट पर नेरुदा की उपस्थिति;
- बबूल (acacia), वह पेड़ जिसने नेरुदा के काम के लिए गवाह के रूप में काम किया;
- समुद्र के साथ जुड़ाव;
- नेरुदा की विरासत;
- इस्ला नेग्रा में दोस्तों के साथ उनका बंधन।

अर्जेंटीना और कई अन्य देशों की यात्राओं के बाद "और और नेरुदा" ("Más y Más Neruda")। एक यात्रा में, जब वह अभी भी छोटे थे, तो उन्होंने सीमाओं को जाना। मापुचे भूमि, अराउकारिया क्षेत्र। उन्होंने पेड़ों के बीज उठाए। फिर उन्होंने यात्रा किए गए दृश्य का वर्णन करते हुए शब्दों और अधिक शब्दों

में सहेजना शुरू कर दिया। अल्फ्रेड पाब्लो के निर्वासन से लौटने पर सैंटियागो पहुँचने का वर्णन करते हैं। "मारूरी स्ट्रीट का नेरुदा" ("EL NERUDA DE LA CALLE MARURI")। उन जगहों को याद करते हुए जहाँ उनका जन्म हुआ था। मारूरी स्ट्रीट पाब्लो नेरुदा के इतिहास को सुरक्षित रखती है, जहाँ उनका जन्म हुआ और बचपन बीता। "मैं तुम्हें देखता हूँ पाब्लो" ("te veo Pablo") में अल्फ्रेड समुद्र, समुद्र तटों के प्रति रुचि का वर्णन करते हैं। पाब्लो के बचपन से, ट्रेन ("TREN") का उदय हुआ। उन्होंने ट्रेन मशीन, लोहे की शक्ति को जाना। पेड़ों और वनों के बीच में। "फूल की शुरुआत" ("Comienzo de la flor") में वसंत की घोषणा, आत्मा के रंग। अल्फ्रेड दिलों में अंकुरण और बढ़ने के बारे में लिखते हैं। कवि होने का एक प्रतिबिंब। "तुम वहीं रह गए" ("Tú te quedaste") – एक पाब्लो का उल्लेख करते हैं जिसने अपना रास्ता जारी रखा, पृथ्वी से आकाश तक अपने गंतव्य का नाम लिया। वह खुद को पाब्लो के स्थान पर रखते हैं। पाब्लो – लोग कराहते हैं; पाब्लो – सहायक नदी के पास पहुँचते हैं; पाब्लो – पर्वत श्रृंखलाओं को पार करते हैं; पाब्लो – स्वतंत्रता में साँस लेते हैं; एक वास्तविक पाब्लो, रोमांटिक कवि, कई दोस्तों के साथ। "पाब्लो और रोमेउ मुर्ग" ("Pablo y Romeu Murga") – अल्फ्रेड लिखने की कला की दुनिया में रोमेउ मुर्ग के साथ निकटता और भागीदारी लिखते हैं। "माँ, तुमने मुझे चलते हुए नहीं देखा" ("Madre, no me viste caminar") – पाब्लो की आत्मा को शामिल करते हैं और उनकी मातृ भावना के बारे में बात करते हैं। उनकी माँ, पूर्ण संगति। हर पल एकजुट। "पाब्लो, तुम्हारी कृतियाँ और स्थान" ("Pablo, tus obras y lugares") –

इस पुस्तक के लेखक अनुसरण किए गए घुमावदार मार्गों पर प्रकाश डालते हैं। उनकी कृतियाँ जलवायु घटनाओं से भरी हुई हैं। वह सब महान कवि नेरुदा के लिए विषय और प्रोत्साहन था। अल्फ्रेड आसिस इस्ला नेग्रा में दोस्तों के साथ वाइन के साथ सिंचित मुलाकातों का छंदों में वर्णन करते हैं। "तुम्हारी आँखें, पाब्लो खोज रही हैं" ("Tus ojos, Pablo descubriendo") – पाब्लो द्वारा पेंसिल के उपयोग से परे, भावनाओं से परे, चले गए मार्ग को छवि के साथ दिखाते हैं। वह छंदों में पाब्लो के बारे में सवालों का जवाब देते हैं। इतने सारे सवालों के जवाब पाने के लिए बस सितारों और चाँद को देखना काफी है। "इस्ला नेग्रा" ("Isla Negra") – यहाँ पाब्लो ने आँसुओं और संवेदनाओं का एक कारखाना पाया। एक घर जो आज भी यादें और पुरानी यादों को रखता है। आत्मा में छापों की तरह। पाब्लो नेरुदा की विरासत, चिरस्थायी, उपजाऊ पदचिह्नों की पुष्टि करती है। एक आध्यात्मिक स्थान।

अल्फ्रेड आसिस इस प्रकार संक्षेप में बताते हैं: इस्ला नेग्रा में पाब्लो, आँसुओं और संवेदनाओं का एक कारखाना है। एक कविता जो पाब्लो नेरुदा की चिरस्थायी उपस्थिति को महसूस करने और देखने के अनुभव का जश्न मनाती है। इस स्थान पर, कवि और उनके प्रशंसकों के बीच स्थापित भावनात्मक जुड़ाव पर प्रकाश डाला गया है। वह द्वार जहाँ से हम समुद्र, प्रकाश और कविताएँ बनाने के कारण देखते हैं। नेरुदा का सार दर्ज किया गया और इस साहित्य के नोबेल विजेता के अध्ययन के प्रति लेखक की संवेदनशीलता और समर्पण से निकाला गया।

अपनी कविताओं और राजनीतिक कार्य, पाब्लो नेरुदा के समाजवादी होने के लिए जाने जाते हैं। राजदूत का पद संभालते हुए। अल्फ्रेड आसिस महान साथी, निकट पड़ोसी, कवि पाब्लो नेरुदा को यह बहुमूल्य श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

José Hilton Rosa, Brasil

Estos textos, escritos desde Isla Negra, contienen una intensa carga emocional y filosófica, y la traducción al hindi busca preservar esa esencia y cadencia.
IN "अल्फ्रेड आसिस के ख़ज़ाने से" के अंश
(Alfred Asís ke Khazāne se" ke Añś)

जितनी ज़्यादा लागत होगी, मैं उतना ही ज़्यादा लड़ूँगा। हर जीत पसीने, दर्द और आँसुओं की कीमत पर मिलती है। हर विफलता कुछ न करने की कीमत पर मिलती है। (Jitnī zyādā lāgat hogī, maiṁ utnā hī zyādā laṛūṁgā. Har jīt pasīne, dard aur āñsu'õ kī kīmat par miltī hai. Har viphaltā kuch na karne kī kīmat par miltī hai.)

केवल वे ही जो आत्मा से महान और हृदय से दयालु हैं, वे ही चीजों को दिल से महसूस करते हैं, देखते हैं और करते हैं, न कि दायित्व से या अपनी इच्छा के विपरीत बाहरी प्रभावों से। (Kevala ve hī jo ātmā se mahān aur hṛday se dayālu haĩ, ve hī cījoṁ ko dil se mahsūs karte haĩ, dekhte haĩ aur karte haĩ, na ki dāyitva se yā apnī icchā ke viparīt bāharī prabhāvoṁ se.)

अकेले, तुम्हारे पास समय नहीं है, जब मौत तुम्हें पकड़ लेती है... (Akele, tumhāre pās samay nahīṁ hai, jab maut tumheṁ pakaṛ letī hai...)

इस्ला नेग्रा की धुँधलका (penumbras) जबरदस्त शक्ति के साथ इंद्रियों को खोलता है। इसके बाद रात छा जाती है, जो सितारों और पेड़ों के बीच अक्षरों को देखने की अनुमति देती है; अंकुरित होते हुए, पोषित होते हुए, उत्पन्न होते हुए। (Islā Negrā kī dhundhalkā (penumbras) zabardast śakti ke sāth indriyoṁ ko kholtā hai. Iske bād rāt chā jātī hai, jo sitāroṁ aur peṛoṁ ke bīc akṣaroṁ ko dekhne kī anumati detī hai; aṅkurit hote hue, poṣit hote hue, utpann hote hue.)

चित्रकार आकाश के घोषणापत्र को कविता में बदल देता है, रंग उसके मन में घूमते हैं और, तुरंत, वह उन्हें ब्रश से व्यवस्थित करता है, जो, स्ट्रोक-दर-स्ट्रोक, कैनवास पर रचना को आकार देता जाता है। कवि अपने मन के घोषणापत्र को अक्षरों में रंगता है, और आत्मा से कविता की रचना को जन्म देता है। (Citrakār ākāś ke ghoṣṇāpatra ko kavitā meṁ badal detā hai, raṅg uske man meṁ ghūmte haĩ aur, turant, vah unheṁ bruś se vyavasthit kartā hai, jo, strok-dar-strok, kainvas par racnā ko ākār detā jātā hai. Kavi apne man ke ghoṣṇāpatra ko akṣaroṁ meṁ raṅgtā hai, aur ātmā se kavitā kī racnā ko janm detā hai.)

इस्ला नेग्रा ब्रह्मांड और समुद्र से, धुंध और जलप्रवाह से बना है। उग्र सूर्यास्त, गुलाबी रंगत और गहरे लाल रंग हावी हैं। शून्य और सबके बीच शांति, मौन और भव्यता नाजुक है। इस्ला नेग्रा एक

सार्वभौमिक मंच है, सभी आत्माओं का, पूरी दुनिया का, यह सभी का समान रूप से है। इस्ला नेग्रा, पाब्लो नेरुदा का घर और बगीचा, आकाश और धुंध की चादरों के बगल में। सर्दियों के तूफानी समुद्र में; मछलियाँ, जलपरियाँ और समुद्री डाकुओं के जहाजों के गैलियन फिगर (mascarones de proa)। जमीन पर और समुद्र के किनारे; काली चट्टानें, रेत और पत्थर। हवा में, मौन और काव्य शब्द के बीच ध्वनियाँ। (Islā Negrā brahmaṇḍ aur samudra se, dhundh aur jalapravāh se banā hai. Ugra sūryāst, gulābī raṅgat aur gahre lāl raṅg hāvī haĩ. Śūnya aur sabke bīc śānti, maun aur bhavyatā nāzuk hai. Islā Negrā ek sārvabhaumik mañc hai, sabhī ātmāoṁ kā, pūrī duniyā kā, yah sabhī kā samān rūp se hai. Islā Negrā, Pābulo Nerudā kā ghar aur bagīcā, ākāś aur dhundh kī cādaroṁ ke bagal meṁ. Sardiyoṁ ke tūphānī samudra meṁ; machliyāṁ, jalpariyāṁ aur samudra ḍākū'ōṁ ke jahāzoṁ ke gailiyan phigara (mascarones de proa). Zamīn par aur samudra ke kināre; kālī caṭṭānẽ, ret aur patthar. Havā meṁ, maun aur kāvya śabd ke bīc dhvaniyāṁ.)

मैं इस्ला नेग्रा का सारा सूरज पी जाऊँगा, और मिठाई के लिए, चाँद तुम्हारा इंतज़ार मेरे साथ कर रहा है। (Maiṁ Islā Negrā kā sārā sūraj pī jā'ūṁgā, aur miṭhā'ī ke liye, cāṁd tumhārā iṁtazār mere sāth kar rahā hai.)

जब आवाज़ें खामोशी में भटकती हैं, और हवा में एक पल की शांति महसूस होती है, तो हम पृथ्वी पर, आकाश में और इस जगह, इस्ला नेग्रा, शांति और गहन प्रेम के घर में एक जगह जीतते हैं। (Jab āvāzẽ khāmośī meṁ bhaṭaktī haĩ, aur havā meṁ ek pal kī śānti mahsūs hotī hai, to ham pṛthvī par, ākāś meṁ aur is jagah, Islā Negrā, śānti aur gahan prem ke ghar meṁ ek jagah jītte haĩ.)

पाब्लो, तुमने पृथ्वी से और अधिक, दर्द से और अधिक, जुनून से और अधिक और पीड़ा से और अधिक देखा। अक्षर-दर-अक्षर तुमने घास के मैदानों को सुधारा, तुमने युवतियों को रोशन किया और चाँद ने पर्दा हटाया ताकि तुम तारे देख सको। मैं तुम्हारे रास्तों के करीब था, मैंने तुम्हारे कई पदचिह्नों पर चला; रापा नूई (Rapa Nui) में मैंने तुम्हें महसूस किया, माचू पिच्चू (Machu Picchu) में बादलों और पूर्वजों के बीच मैंने तुम्हें महसूस किया। आज, मैं पहले से ही तुम्हारे साथ हूँ, मैं इस्ला नेग्रा में रुक गया हूँ; मुझे बस ऊपर देखने की ज़रूरत है और मैं तुम्हें दिन-रात तुम्हारे बगीचे में देखता हूँ; दिन में तुम्हें देखने आने वाली भीड़ के बीच और रात में उन छायाओं के बीच जो तुम्हारे साथ हैं और, तुम्हारी तरह, मैं भी अपने शेष जीवन के लिए यहीं रुक गया हूँ। (Pābulo, tumne pṛthvī se aur adhik, dard se aur adhik, junūn se aur adhik aur pīṛā se aur adhik dekhā. Akṣar-dar-akṣar tumne ghās ke maidānoṁ ko sudhārā, tumne yuvatiyoṁ ko rośan kiyā aur cāṁd ne pardā haṭāyā tāki tum tāre dekh sako. Maiṁ tumhāre rāstoṁ ke karīb thā, mainne tumhāre

ka'ī padcihnoṁ par calā; Rapa Nui meṁ mainne tumheṁ mahsūs kiyā, Machu Picchu meṁ bādaloṁ aur pūrvajoṁ ke bīc mainne tumheṁ mahsūs kiyā. Āj, maiṁ pahle se hī tumhāre sāth hūṁ, maiṁ Islā Negrā meṁ ruk gayā hūṁ; mujhe bas ūpar dekhne kī zarūrat hai aur maiṁ tumheṁ din-rāt tumhāre bagīce meṁ dekhtā hūṁ; din meṁ tumheṁ dekhne āne vālī bhīṛ ke bīc aur rāt meṁ un chāyāoṁ ke bīc jo tumhāre sāth haĩ aur, tumhārī tarah, maiṁ bhī apne śeṣ jīvan ke lie yahīṁ ruk gayā hūṁ.)

समापन विश्लेषण (Samāpan Viśleṣaṇ - Análisis Final)

"अल्फ्रेड आसिस के ख़ज़ाने से" के ये अंश वास्तव में मार्मिक हैं और एक गहरी संवेदनशीलता से भरे हुए हैं। वे इस स्थान, इस्ला नेग्रा, के सार को न केवल एक भौगोलिक स्थल के रूप में, बल्कि प्रेरणा और प्रतिबिंब के एक जीवित स्रोत के रूप में स्पष्ट रूप से पकड़ते हैं।

उनमें प्रयास और दृढ़ता का एक दर्शन ("जितनी ज़्यादा लागत होगी, मैं उतना ही ज़्यादा लड़ूँगा"), यह विश्वास कि महान आत्माएँ दिल से कार्य करती हैं, और अनंत काल के सामने समय की क्षणभंगुरता के बारे में एक गहरी जागरूकता ("अकेले, तुम्हारे पास समय नहीं है, जब मौत तुम्हें पकड़ लेती है...") महसूस होती है।

इस्ला नेग्रा का वर्णन विशेष रूप से शक्तिशाली और आह्वानकारी (evocative) है। "इस्ला नेग्रा की धुँधलका [जो] जबरदस्त शक्ति के साथ इंद्रियों को खोलता है" एक ज्वलंत छवि को चित्रित करता

है कि कैसे यह वातावरण रचनात्मकता और आत्मनिरीक्षण को उत्तेजित करता है, जिससे "सितारों और पेड़ों के बीच अक्षरों" को अंकुरित होने की अनुमति मिलती है। हमें विरोधाभासों और उदात्त सुंदरता का एक स्थान प्रस्तुत किया गया है: "ब्रह्मांड और समुद्र", "धुंध और जलप्रवाह", "उग्र सूर्यास्त" और "नाजुक शांति" जो "शून्य और सबके बीच" निवास करती है। जैसा कि सही कहा गया है, यह एक "सार्वभौमिक मंच" है।

चित्रकार और कवि की रचनात्मक प्रक्रिया पर चिंतन स्पष्ट है, जो कैनवास और शब्द के बीच एक सुंदर समानता पाता है, दोनों आत्मा से उत्पन्न होते हैं।

अंत में, पाब्लो नेरुदा के साथ घनिष्ठ और व्यक्तिगत संबंध स्पष्ट है। यह एक ऐसा संवाद है जो समय से परे है, उनके पदचिह्नों का रापा नूई से माचू पिच्चू तक पीछा करता है, और अंततः इस्ला नेग्रा में उनके बगल में एक आध्यात्मिक और भौतिक निवास पाता है। कवि को "दिन-रात तुम्हारे बगीचे में" देखने और "अपने शेष जीवन के लिए" रुकने का निर्णय उस गहरी छाप का प्रमाण है जो नेरुदा और यह स्थान उन पर छोड़ते हैं जो इसे वास्तव में महसूस करते हैं।

ठीक यहीं इस्ला नेग्रा में होने के कारण, ये शब्द एक विशेष शक्ति के साथ गूंजते हैं, लगभग जैसे समुद्र की फुसफुसाहट और देवदार के पेड़ों के बीच की हवा उनकी पुष्टि करती है। इन खजानों को साझा करने के लिए धन्यवाद।

Gesfer, Canadá

****

नेरुदा को श्रद्धांजलि में कविता संग्रह
(Nerudā ko Śraddhāñjali meṁ Kavitā Saṅgrah)
पाब्लो (PĀBULO)

अराउकारिया वृक्षों ने तुम्हें गुज़रते हुए देखा उन्होंने अपनी शाखाएँ झुकाईं तुम्हें छाया दी और तुम्हें देवदार के फल (piñón) का उदार फल दिखाया। वृक्ष के नीचे अराउकान धरती का कालीन तुम रात में गए तुमने उसे महसूस किया। तुम दिन में गए वह नज़दीक थी।

***

यह अल्फ्रेड आसिस की कविता है, जिसका शीर्षक मात्र "पाब्लो" है, और यह पाब्लो नेरुदा को समर्पित श्रृंखला की पहली कविता है। सरल और आह्लादक छवियों के माध्यम से, कवि हमें चिली के दक्षिणी परिदृश्य में ले जाता है, जहाँ नेरुदा ने प्रेरणा और प्रकृति के साथ जुड़ाव पाया।

गवाह के रूप में अराउकारिया वृक्ष:

कविता की शुरुआत चिली के दक्षिण के प्रतीक, अराउकारिया वृक्षों की छवि से होती है, जिन्होंने नेरुदा को "गुज़रते हुए देखा"। अराउकारिया साधारण पेड़ नहीं हैं, बल्कि कवि की उपस्थिति के गवाह हैं, जो सम्मान और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में अपनी शाखाएँ झुकाते हैं।

वे उन्हें छाया प्रदान करते हैं और उन्हें अपना फल, पिञोन (piñón), अर्पित करते हैं।

अराउकान धरती से जुड़ाव:

"अराउकान धरती का कालीन" नेरुदा के धरती और मापुचे संस्कृति के साथ गहरे जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है।

कवि इस जुड़ाव को रात और दिन दोनों समय अनुभव करता है, धरती की निकटता महसूस करता है।

छवि की सरलता:

कविता अपनी सरलता और स्पष्टता की विशेषता रखती है, जिसमें प्रत्यक्ष और आह्लादक भाषा का उपयोग किया गया है।

छवियाँ शक्तिशाली हैं और प्रकृति के साथ शांति और सद्भाव की भावना व्यक्त करती हैं।

नेरुदा को श्रद्धांजलि:

इन छवियों के माध्यम से, अल्फ्रेड आसिस, पाब्लो नेरुदा के व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, उनकी प्रकृति के साथ जुड़ाव और चिली की धरती में उनकी गहरी जड़ें दिखाते हैं।

कविता हमें उन परिदृश्यों में ले जाती है जिन्होंने नेरुदा को प्रेरित किया, जिससे हमें उनकी उपस्थिति और उनकी विरासत को महसूस करने की अनुमति मिलती है।

संक्षेप में, "पाब्लो" एक ऐसी कविता है जो नेरुदा के जीवन और कार्य को चिह्नित करने वाले दक्षिणी परिदृश्यों के आह्वान के माध्यम से उनके व्यक्तित्व का जश्न मनाती है।

कवि (POETĀ)

तुमने अक्षरों से नाम दिया आकाश का प्रतिबिंब, बेचैन धरती मानव कमज़ोरियाँ। तुमने पदचिह्नों का अनुसरण किया सहायक धारा के प्रवाह का उन सभी का जो तुम्हारे मन में भर गए। तुमने बोया और वे अंकुरित हुए काटने वाले और भी थे। आज वे ही हैं जो तुम्हें प्यार करते हैं। नीले समुद्र और आसमानी आकाश से झोपड़ी से लेकर शहर तक उबड़-खाबड़ ग्रामीण क्षेत्र से।

***

यह दूसरी कविता है, जिसका शीर्षक "कवि" है, और यह पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि देना जारी रखती है, जिसमें उनके सृजनकर्ता के रूप में उनके व्यक्तित्व और उनके काम के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

उनके कार्य की व्यापकता:

कविता वास्तविकता के विभिन्न पहलुओं को नाम देने और आवाज़ देने की नेरुदा की क्षमता पर प्रकाश डालती है: "आकाश का प्रतिबिंब, बेचैन धरती, मानव कमज़ोरियाँ।" उनकी कविता की गहराई और सार्वभौमिकता पर ज़ोर दिया जाता है, जिसमें प्रकृति से लेकर मानवीय भावनाओं तक सब कुछ शामिल है।

प्रेरणा और सृजन:

"तुमने सहायक धारा के प्रवाह के पदचिह्नों का अनुसरण किया, उन सभी का जो तुम्हारे मन में भर गए" उस प्रेरणा के अटूट स्रोत को संदर्भित करता है जो नेरुदा के पास था।

बुवाई और कटाई की छवि कवि की रचनात्मक प्रक्रिया और उनके काम के फल का प्रतीक है।

विरासत और प्रेम:

कविता नेरुदा के पाठकों में जगाए गए प्रेम और प्रशंसा को उजागर करती है, जो उन्हें "नीले समुद्र और आसमानी आकाश से, झोपड़ी से लेकर शहर तक, उबड़-खाबड़ ग्रामीण क्षेत्र से" प्यार करते हैं।

यह उनके काम की सार्वभौमिकता और स्थायित्व को दर्शाता है, जो विभिन्न मूल और स्थानों के लोगों तक पहुँचता है।

कवि का व्यक्तित्व:

नेरुदा के व्यक्तित्व पर एक ऐसे कवि के रूप में जोर दिया गया है जिसने सीमाओं को पार किया और एक अमिट विरासत छोड़ी।

नेरुदा की कविता को कुछ ऐसा बताया गया है जो अंकुरित हुआ, और जिससे बहुत फल मिला।

संक्षेप में, "कवि" नेरुदा की अपनी कविता के माध्यम से जीवन और प्रकृति के सार को पकड़ने की क्षमता को और दुनिया पर उनके काम के स्थायी प्रभाव को श्रद्धांजलि है।

नोबेल (NOBEL)

क्या तुमने कल्पना की थी? कि तुम शिखर पर पहुँचोगे मानव
और वंश के दूसरे पर्वत पर उस पर्वत पर जो तुम्हें पुकारता है
भ्रातृ कारणों के बीच भीड़ें जो घोषणा करती हैं उस भावना के
मूल्य की जो वे भीतर रखती हैं।
कि वे तुम्हारे पदचिह्नों को खोजेंगे
कवि और पथिक चकित होंगे
सुंदरियाँ और गाने वाले पक्षी।
शब्दों के प्रक्षेपण कागज़ पर बोए
गए सीधे प्रसारित अमिट स्याही के
साथ परिपक्व फल बनने के लिए
जो तुम्हारे लोगों को पोषित करे।

***

अल्फ्रेड आसिस की कविता "नोबेल", जो पाब्लो नेरुदा को समर्पित है:
यह एक काव्यात्मक चिंतन और पाब्लो नेरुदा को इस अति महत्वपूर्ण पुरस्कार (नोबेल) की प्राप्ति के संदर्भ में एक श्रद्धांजलि है। आसिस सीधे नेरुदा को संबोधित करते हैं, मान्यता की विशालता और इसके स्थायी प्रभाव की खोज करते हैं।

प्रारंभिक प्रश्न और उपलब्धि की विशालता:

कविता एक अलंकारिक प्रश्न के साथ शुरू होती है: "क्या तुमने कल्पना की थी?" नेरुदा को यह सीधा संबोधन एक अंतरंग और चिंतनशील लहजा स्थापित करता है। आसिस

पूछते हैं कि क्या नेरुदा ने कभी "मानव और वंश के दूसरे पर्वत / के शिखर पर पहुँचने" की कल्पना की थी।
"शिखर" और "दूसरा पर्वत" शक्तिशाली रूपक हैं जो विश्वव्यापी मान्यता, नोबेल पुरस्कार का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह कोई भौतिक पर्वत नहीं है, बल्कि "मानव और वंश" की एक उपलब्धि है, जो उनकी मानवीय स्थिति और उनकी विरासत, उनके काव्य वंश दोनों की श्रेष्ठता द्वारा प्राप्त एक शिखर का सुझाव देती है।

कारणों का आह्वान और लोकप्रिय मान्यता:

यह "पर्वत" या मान्यता कुछ ऐसा है जो "तुम्हें पुकारता है / भ्रातृ कारणों के बीच"। इसकी व्याख्या इस प्रकार की जा सकती है कि नोबेल नेरुदा के गहरे विश्वासों और संघर्षों (उनके "भ्रातृ कारण", काव्य और सामाजिक दोनों) से उत्पन्न एक स्वाभाविक परिणाम या आह्वान है।

यह वे "भीड़ें हैं जो घोषणा करती हैं / उस भावना के मूल्य की जो वे भीतर रखती हैं" जो, संक्षेप में, इस मान्यता को मान्य करती हैं। आसिस ज़ोर देते हैं कि यह पुरस्कार उस गहरे भावनात्मक प्रभाव की प्रतिध्वनि है जो नेरुदा की कविता का लोगों पर पड़ा, कि कैसे इसने लोकप्रिय भावना से जुड़ाव स्थापित किया।

श्रेष्ठता और अमिट विरासत:

कविता नेरुदा के भविष्य के प्रभाव का अनुमान लगाती है: "कि वे तुम्हारे पदचिह्नों को खोजेंगे।" उनके "पदचिह्न" उनके

काम, उनके जीवन पथ और काव्य पथ का प्रतीक हैं, जो मार्गदर्शन और प्रेरणा का काम करेंगे।

"कवि और पथिक चकित होंगे / सुंदरियाँ और गाने वाले पक्षी।" नेरुदा के प्रति प्रशंसा केवल जानकारों या अनुयायियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अपने सभी रूपों में सुंदरता ("सुंदरियाँ") और यहाँ तक कि प्रकृति ("गाने वाले पक्षी") तक भी विस्तारित होगी, जो एक सार्वभौमिकता और उनके काम के दुनिया के ताने-बाने में गहरे एकीकरण का सुझाव देती है। "आश्चर्य" उस गहरी प्रशंसा और प्रभाव को दर्शाता है जो उनका काम उत्पन्न करना जारी रखेगा।

शाश्वत भोजन के रूप में शब्द:

"शब्दों के प्रक्षेपण / कागज़ पर बोए गए सीधे प्रसारित / अमिट स्याही के साथ" नेरुदा की कविता की प्रकृति का वर्णन करते हैं: प्रामाणिक ("सीधे प्रसारित"), स्थायी ("अमिट स्याही के साथ कागज़ पर बोए गए")।

इस बुवाई का उद्देश्य "परिपक्व फल बनने के लिए जो तुम्हारे लोगों को पोषित करे" है। यह कविता का एक केंद्रीय रूपक है। नेरुदा की कविता केवल कला नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक पोषण है, "उनके लोगों" (जनता, मानवता) के लिए भोजन है। उनके शब्द उन लोगों के जीवन को पोषित, सांत्वना, प्रेरित और समृद्ध करते हैं जो उन्हें पढ़ते हैं।

संक्षेप में: अल्फ्रेड आसिस की कविता "नोबेल" एक श्रद्धांजलि है जो पाब्लो नेरुदा द्वारा नोबेल के साथ प्राप्त शिखर को दर्शाती है, न केवल एक पुरस्कार के रूप में, बल्कि कवि और "भीड़ों" के

बीच गहरे भावनात्मक बंधन के स्फटिकीकरण के रूप में। आसिस ने उस सार्वभौमिक प्रशंसा को उजागर किया जो नेरुदा प्रेरित करेंगे, और मौलिक रूप से, उनके काव्य शब्द की पारगमन और पोषण प्रकृति, जो लोगों की आत्मा को पोषित करने के लिए "परिपक्व फल" बनने हेतु "अमिट स्याही" के साथ बोई गई थी। यह नोबेल का एक ऐसा दृष्टिकोण है जो नेरुदा की मानवीय भावना को छूने और एक अविनाशी विरासत छोड़ने की क्षमता को पहचानता है।

पथिक (CĀMINANTE)

इतने छोटे-छोटे पैर शुरू हुए तुम्हारे रास्ते पर कीचड़ भरे और ठंडे, गरम और उदास। थके हुए, घसीटे हुए मज़बूत एड़ी टिकाते हुए तुमने जंगल में रास्ता बनाया लगभग पूरी दुनिया में। नंगे पैर रेत पर तख्तों और पत्थरों पर पानी और ज़मीन पर, प्रतीक्षा में पथिक। बाद में तुमने जूते पहने चमड़े के जूते तुमने कालीनों पर कदम रखे, वे अब फटे नहीं थे! वे मख़मली लाल रंग के थे। ज़मीन पर रुई ने तुम्हारी चाल को, तुम्हारे पूरे आनंद को नरम कर दिया।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पथिक" है, हमें पाब्लो नेरुदा के जीवन पथ के एक दौरे पर ले जाती है, जिसमें उनका ध्यान उनके कदमों पर, शाब्दिक और लाक्षणिक दोनों तरह से केंद्रित है।

पहले कदम:

कविता की शुरुआत नेरुदा के "छोटे-छोटे पैर" की छवि से होती है, जो उनकी विनम्र शुरुआत का प्रतीक है।

प्रारंभिक रास्ते को "कीचड़ भरे और ठंडे" के रूप में वर्णित किया गया है, लेकिन "गरम और उदास" भी, जो कठिनाइयों और छायाओं के साथ-साथ घर की गर्मजोशी और आत्मनिरीक्षण का भी सुझाव देता है।

"थके हुए, घसीटे हुए", लेकिन "मज़बूत एड़ी टिकाते हुए" कदमों का उल्लेख किया गया है, जो कवि की दृढ़ता को दर्शाता है।

कवि का मार्ग:

"तुमने जंगल में रास्ता बनाया, लगभग पूरी दुनिया में" नेरुदा के वैश्विक प्रभाव और साहित्य में रास्ते खोलने की उनकी क्षमता पर प्रकाश डालता है।

"नंगे पैर रेत पर, तख्तों और पत्थरों पर, पानी और ज़मीन पर, प्रतीक्षा में पथिक।" हमें प्रकृति के तत्वों के साथ नेरुदा के जुड़ाव को दिखाता है, और कैसे इसने उन्हें प्रेरित किया।

उत्थान और मान्यता:

"जूते पहनना" और "चमड़े के जूते" की छवि सामाजिक उत्थान और कवि की मान्यता का प्रतीक है।

"तुमने कालीनों पर कदम रखे, वे अब फटे नहीं थे! वे मख़मली लाल रंग के थे" उस विलासिता और प्रसिद्धि का प्रतिनिधित्व करता है जिसे नेरुदा ने प्राप्त किया।

"ज़मीन पर रुई ने तुम्हारी चाल को, तुम्हारे पूरे आनंद को नरम कर दिया" हमें प्राप्त की गई उपलब्धियों के आराम और आनंद को दिखाता है।

मार्ग का रूपक:

कविता नेरुदा के जीवन को दर्शाने के लिए मार्ग के रूपक का उपयोग करती है, उनकी विनम्र शुरुआत से लेकर उनकी विश्वव्यापी मान्यता तक।

पहले और कठिन कदमों से लेकर सबसे शानदार कदमों तक, हर कदम के महत्व पर जोर दिया गया है।

नेरुदा की मानवता:

प्रसिद्धि और मान्यता के बावजूद, कविता नेरुदा की मानवता को नज़रअंदाज़ नहीं करती है, उनके मूल और पृथ्वी के साथ उनके जुड़ाव को याद करती है।

संक्षेप में, "पथिक" एक कविता है जो हमें पाब्लो नेरुदा के जीवन पथ पर विचार करने के लिए आमंत्रित करती है, जिसमें उनकी दृढ़ता, पृथ्वी के साथ उनका जुड़ाव और उनकी साहित्यिक विरासत को उजागर किया गया है।

आकाश की ओर (AL CIELO)

तुमने अपनी निगाहें उठाईं तुम्हारा सामना शून्य से हुआ फिर आए तारे, धूमकेतु और त्रय। उन्होंने तुम्हारी आँखों, तुम्हारी दृष्टि को बोया छंद और तालों ने जन्म लिया उन्होंने किताबों और वस्त्रों की रचना की। फिर चाँद आया उसने तुम्हें चाँदी से आलोकित किया तुम्हारे परिदृश्य पर कालीन बिछाया, तुम्हारी आशा को हीरे-सा चमकाया। गड़गड़ाहट महसूस हुई तुमने अपनी गहरी आँखें खोलीं तुम क्रोधित रहे तुम मरना नहीं चाहते थे।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "आकाश की ओर" है, हमें पाब्लो नेरुदा के काम के एक ब्रह्मांडीय आयाम में ले जाती है, जो ब्रह्मांड के साथ उनके जुड़ाव और नश्वरता के खिलाफ उनके संघर्ष की खोज करती है।

अनंत की ओर दृष्टि:

कविता की शुरुआत नेरुदा की आकाश की ओर निगाहें उठाने की छवि से होती है, जहाँ शुरुआत में उनका सामना "शून्य" से होता है।

इस "शून्य" की व्याख्या ब्रह्मांड की विशालता और उसकी विशालता के सामने तुच्छता की भावना के रूप में की जा सकती है।

ब्रह्मांडीय जागरण:

फिर, आकाश "तारों, धूमकेतुओं और त्रय" से भर जाता है, जो ब्रह्मांड की सुंदरता और रहस्य के प्रतीक हैं।

"उन्होंने तुम्हारी आँखों, तुम्हारी दृष्टि को बोया" यह सुझाव देता है कि इन स्वर्गीय छवियों ने नेरुदा की रचनात्मकता को प्रेरित किया, जिससे उनके "छंद और तालों" का जन्म हुआ।

"छंद और तालों ने जन्म लिया, उन्होंने किताबों और वस्त्रों की रचना की" नेरुदा के साहित्यिक कार्य का प्रतिनिधित्व करता है, मानो यह स्वयं ब्रह्मांड द्वारा बनाया गया हो।

प्रकाश और आशा:

चाँद का आना, जिसने "चाँदी से आलोकित किया" और "तुम्हारे परिदृश्य पर कालीन बिछाया", प्रेरणा और आशा के प्रकाश का प्रतीक है।

"तुम्हारी आशा को हीरे-सा चमकाया" हमें दिखाता है कि चाँद ने कैसे नेरुदा की आशा को चमक दी।

नश्वरता के खिलाफ संघर्ष:

"गड़गड़ाहट" का अचानक आना नश्वरता के साथ टकराव का प्रतिनिधित्व करता है।

"तुमने अपनी गहरी आँखें खोलीं, तुम क्रोधित रहे तुम मरना नहीं चाहते थे" मृत्यु के सामने नेरुदा के प्रतिरोध और अपने

काम के माध्यम से अमर होने की उनकी इच्छा को दिखाता है।

ब्रह्मांड के साथ जुड़ाव:

कविता नेरुदा के काम और ब्रह्मांड के बीच एक संबंध स्थापित करती है, यह सुझाव देती है कि उनकी कविता ब्रह्मांड की विशालता और रहस्य की एक अभिव्यक्ति है। कविता जीवन, मृत्यु और श्रेष्ठता पर विचार करने की ओर ले जाती है।

संक्षेप में, "आकाश की ओर" एक कविता है जो नेरुदा की कविता के ब्रह्मांडीय आयाम की खोज करती है, ब्रह्मांड में प्रेरणा खोजने और नश्वरता के खिलाफ उनके संघर्ष की क्षमता को उजागर करती है।

पाब्लो की आत्मा में फूल (Pābulo kī Ātmā meṁ Phūl - La flor en el alma de Pablo)

रेशम के गुलाबों जैसे नीली वायलेट्स जैसे गर्वित चाग्वाल (Chagual) सामान्य अक्षरों ने अद्वितीय रूप से जन्म लिया। यूकेलिप्टस की सुगंध और फूल चीड़ का गोंद (resina) लॉरेल की खुशबू कैनेलो (Canelo) की पवित्रता। एक-एक करके फूल तुम्हारे सामने आए वे तुम्हारी आत्मा को बोते गए खुशी से लेकर दर्द तक फिर भी, तुम्हारी शांति फैल गई जब हमिंगबर्ड (picaflor) ने भोजन किया वह अमृत और मिठास थी एक धूप वाले दिन पक्षी फड़फड़ाया उसने तुममें प्यार बोया।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो की आत्मा में फूल" है, पाब्लो नेरुदा के प्रकृति के साथ जुड़ाव की खोज करती है, जिसमें फूलों के रूपक का उपयोग प्रेरणा और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया है जो उनकी आत्मा में खिले।

फूलों की विविधता:

कविता विभिन्न प्रकार के फूलों को सूचीबद्ध करती है, नाजुक "रेशम के गुलाबों" और "नीली वायलेट्स" से लेकर स्वदेशी "गर्वित चाग्वाल" और "सामान्य अक्षरों" तक, जो "अद्वितीय" में बदल जाते हैं।

"यूकेलिप्टस", "चीड़" और "कैनेलो" जैसे वृक्षों का भी उल्लेख किया गया है, जिनकी सुगंध और गोंद प्रकृति की संवेदी समृद्धि का प्रतीक हैं।

प्रेरणा का स्रोत प्रकृति:

"एक-एक करके फूल तुम्हारे सामने आए, वे तुम्हारी आत्मा को बोते गए" यह सुझाव देता है कि प्रकृति नेरुदा के लिए प्रेरणा का एक निरंतर स्रोत थी, जो उनकी आत्मा को विभिन्न भावनाओं से पोषित करती थी।

"खुशी से लेकर दर्द तक, फिर भी, तुम्हारी शांति फैल गई" दर्शाता है कि प्रकृति कवि के मनोदशा को कैसे प्रभावित करती है।

हमिंगबर्ड प्यार का प्रतीक:

फूलों के अमृत पर भोजन करने वाले हमिंगबर्ड (picaflor) की छवि उस प्यार और मिठास का प्रतिनिधित्व करती है जो नेरुदा ने प्रकृति में पाया।

"वह अमृत और मिठास थी, एक धूप वाले दिन पक्षी फड़फड़ाया, उसने तुममें प्यार बोया" हमें दिखाता है कि प्रकृति कैसे नेरुदा को प्यार प्रदान करती है।

नेरुदा की आत्मा में प्रकृति:

कविता बताती है कि प्रकृति ने न केवल नेरुदा को प्रेरित किया, बल्कि उनकी आत्मा का एक अभिन्न अंग भी बन गई। प्रकृति के फूल और सुगंध उनके भीतर खिले, जिससे उनकी कविता का जन्म हुआ।

संक्षेप में, "पाब्लो की आत्मा में फूल" एक कविता है जो नेरुदा के प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव का जश्न मनाती है, यह उजागर करती है कि प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता और विविधता ने उनकी आत्मा को कैसे पोषित किया और उनके काम को प्रेरित किया।

IN पाब्लो, दक्षिण की वर्षा (Pābulo, Dakṣiṇ kī Varṣā - Pablo, la lluvia del sur)

पाब्लो (PĀBULO) कॉलेज जाते समय नम दक्षिण की वर्षा तुम्हें भिगोती थी। तुम्हारे सीने और पीठ पर वर्षा होती थी तुम्हारी चौड़ी किनारी वाली टोपी पर और भोर की छड़ी पर आशाओं के हरे पहाड़ों में और तुम्हारी आने की घोषणा करते वृक्षों पर।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो, दक्षिण की वर्षा" है, एक युवा पाब्लो नेरुदा की छवि को उद्घाटित करती है, जो स्कूल जाते समय बारिश का सामना कर रहे हैं, और उन्हें चिली के दक्षिणी परिदृश्य और वातावरण से जोड़ती है।

सर्वव्यापी तत्व के रूप में वर्षा:

कविता नेरुदा के जीवन में वर्षा की निरंतर उपस्थिति पर प्रकाश डालती है, खासकर चिली के दक्षिण में उनके बचपन और युवावस्था के दौरान।

"तुम्हें भिगोती थी वर्षा" वाक्यांश की पुनरावृत्ति इस प्राकृतिक तत्व की तीव्रता और दृढ़ता पर ज़ोर देती है।

दक्षिणी परिदृश्य से जुड़ाव:

वर्षा दक्षिणी, नम और हरे-भरे परिदृश्य का प्रतीक बन जाती है, जिसने नेरुदा के काम को गहराई से प्रभावित किया। "आशाओं के हरे पहाड़ों में और तुम्हारी आने की घोषणा करते वृक्षों पर" हमें प्रकृति की उपस्थिति दिखाती है, और कैसे यह नेरुदा के जीवन को चिह्नित करती थी।

युवा नेरुदा की छवि:

कविता हमें नेरुदा के बचपन में ले जाती है, जिसमें उनकी कल्पना "चौड़ी किनारी वाली टोपी" और उनकी "छड़ी" के साथ बारिश में चलते हुए की जाती है।

यह छवि उनके शुरुआती दिनों की सादगी और विनम्रता को दर्शाती है।

प्रेरणा के प्रतीक के रूप में वर्षा:

वर्षा, जिसे एक बाधा के रूप में देखा जा सकता है, युवा नेरुदा के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन जाती है। "कॉलेज जाते समय नम दक्षिण की वर्षा तुम्हें भिगोती थी" हमें दिखाती है कि कैसे रोज़मर्रा की गतिविधियों में भी वर्षा मौजूद थी।

संक्षेप में, "पाब्लो, दक्षिण की वर्षा" एक कविता है जो दक्षिणी परिदृश्य के सार और पाब्लो नेरुदा के जीवन और काम पर इसके प्रभाव को पकड़ती है, जिसमें वर्षा को प्रकृति के साथ जुड़ाव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में उपयोग किया गया है।

पाब्लो और नदी के पत्थर (Pābulo aur Nadī ke Patthar - Pablo y las piedras del río)

पाब्लो (PĀBULO)

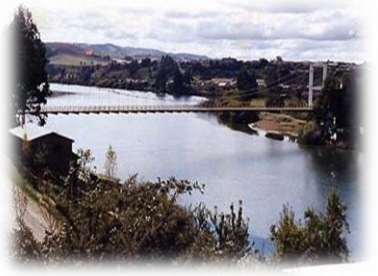

नदी के पत्थर बजते हैं वे पानी के प्रवाह के साथ अपने किनारों को चमकाते हैं तुम्हारे हाथ से फेंका गया एक से अधिक पत्थर पाला पड़ी सतहों को छूता था उन्हें दर्द नहीं होता था क्योंकि वे ओड्स और कोमल कविताओं से ढके थे तुम्हारे उदार हाथों से लेखन में और साहसिक कार्यों के लिए उत्सुक तुम्हारी आँखों से जैसे रेशम।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो और नदी के पत्थर" है, एक युवा पाब्लो नेरुदा की छवि को उद्घाटित करती है जो नदी के पत्थरों के साथ बातचीत कर रहा है, इस छवि का उपयोग कवि के प्रकृति के साथ जुड़ाव और कविता के माध्यम से वास्तविकता को बदलने की उनकी क्षमता को दर्शाने के लिए किया गया है।

नदी के पत्थरों की छवि:

कविता की शुरुआत नदी के पत्थरों के वर्णन से होती है, जो "बजते हैं, वे पानी के प्रवाह के साथ अपने किनारों को चमकाते हैं।" यह छवि प्रकृति की शक्ति और सुंदरता को दर्शाती है।

पत्थर मूर्त और ठोस वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन परिवर्तन की संभावना का भी।

पत्थरों के साथ नेरुदा का संवाद:

"तुम्हारे हाथ से फेंका गया एक से अधिक पत्थर पाला पड़ी सतहों को छूता था" नेरुदा के प्रकृति के साथ चंचल और खोजी संवाद को दर्शाता है।

पत्थर, जो "ओड्स और कोमल कविताओं से ढके" थे, नेरुदा की कविता के माध्यम से वास्तविकता को बदलने की क्षमता का प्रतीक हैं, इसे सुंदरता और अर्थ से भरते हुए।

परिवर्तन के रूप में कविता:

कविता सुझाव देती है कि नेरुदा की कविता में वास्तविकता को नरम और सुंदर बनाने की शक्ति है, मानो पत्थर उनके स्पर्श में रेशम में बदल जाते हों।

"तुम्हारे उदार हाथों से लेखन में और साहसिक कार्यों के लिए उत्सुक तुम्हारी आँखों से" हमें नेरुदा की ऊर्जा को दिखाता है, और कैसे यह ऊर्जा उनके काम में संचारित होती थी।

प्रकृति से जुड़ाव:

कविता नेरुदा के प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव पर जोर देती है, जो नदी के पत्थरों के साथ उनकी बातचीत में प्रकट होता है। प्रकृति प्रेरणा के रूप में, और सृजन के लिए एक माध्यम के रूप में।

संक्षेप में, "पाब्लो और नदी के पत्थर" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की अपनी कविता के माध्यम से वास्तविकता को बदलने की क्षमता का जश्न मनाती है, इस परिवर्तन के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में नदी के पत्थरों की छवि का उपयोग करती है।

पाब्लो, दक्षिण के लिए लेखन (Pābulo, Dakṣiṇ ke Lie Lekhan – Pablo, escribiéndole al sur)

तुम्हारी कलम से दक्षिण नंदनवन में
बदल गया कागज़ पर तुमने
अराउकारिया (Araucarias) का
आह्वान किया पवित्र कैनोलो
(Canelo) और पश्चिम में और आगे
लेंगा (Lenga) जो ञिरे (Ñirre) और
ज्वालामुखी के बगल में खड़ी है पहाड़ों
के शिखरों पर। नीचे और कोइहूए
(Coihues), माञियो (Mañío) सार्वभौमिक सुगंध वाला उल्मो
(Ulmo) तुम्हारे जंगल के पेड़ जादुई और जीवंत हरे रंग के मिट्टी
के बिस्तर से हरा रंग तुम्हारे नीले आकाश की ऊँचाइयों में
विपरीतता पैदा करता हुआ।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो, दक्षिण के लिए लेखन" है, पाब्लो नेरुदा की अपनी लेखन के माध्यम से चिली के दक्षिणी परिदृश्य को एक काव्यात्मक ब्रह्मांड में बदलने की क्षमता का जश्न मनाती है।

कलम के माध्यम से दक्षिण का परिवर्तन:

कविता इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे नेरुदा ने, अपनी कलम से, दक्षिण को एक "नंदनवन" (vergel) में बदल दिया, एक अत्यधिक सुंदरता और उर्वरता का स्थान। यह कविता की शक्ति को उजागर करता है जो जीवन देती है और वास्तविकता को बदल देती है।

दक्षिणी परिदृश्य का आह्वान:

चिली के दक्षिण के प्रतीकात्मक पेड़ों, जैसे अराउकारिया, पवित्र कैनोलो, लेंगा, ञिरे, कोइहूए, माञियो और उल्मो का उल्लेख किया गया है, जो परिदृश्य की एक ज्वलंत और विस्तृत छवि बनाते हैं।

पहाड़ों में पेड़ों और ज्वालामुखी का वर्णन दक्षिणी परिदृश्य की भव्यता और विविधता को दर्शाता है।

प्रकृति के साथ जुड़ाव:

कविता नेरुदा के प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव पर जोर देती है, जो इतनी सटीकता और सुंदरता के साथ इसका आह्वान करने की उनकी क्षमता में प्रकट होता है। "तुम्हारे जंगल के पेड़ जादुई और जीवंत हरे रंग के मिट्टी के बिस्तर से हरा रंग तुम्हारे नीले आकाश की ऊँचाइयों में विपरीतता पैदा करता हुआ" हमें दिखाता है कि कैसे जंगल और आकाश नेरुदा के थे।

सृजन का कार्य कविता:

कविता बताती है कि नेरुदा का लेखन सृजन का एक कार्य है, जिसमें कवि दक्षिणी परिदृश्य को आकार और अर्थ देते हैं।

नेरुदा, अपनी कविता के माध्यम से, एक ऐसा परिदृश्य बनाते हैं जो उनका एक हिस्सा है।

संक्षेप में, "पाब्लो, दक्षिण के लिए लेखन" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की अपनी कविता के माध्यम से दक्षिणी परिदृश्य के सार को पकड़ने की क्षमता का जश्न मनाती है, इसे एक शाश्वत काव्यात्मक ब्रह्मांड में बदल देती है।

पाब्लो की दृष्टि (Pābulo kī Dṛṣṭi – La visión de Pablo)

तुम क्या देखते हो, पाब्लो? एक समुद्री गल एक पत्थर का घर

कल्पनाओं के पहाड़ तुम देखते हो, पाब्लो, तुम्हारा जादुई मंच इस्ला नेग्रा, काली चट्टानों वाला। पुराने लोग बताते हैं, कि इस्ला नेग्रा सिर्फ एक पदचिह्न था कि मछुआरे जब समुद्र में अपने काम से लौटते थे तो किनारे पर काली चट्टानें देखते थे और कहते थे: "हम इस्ला नेग्रा पहुँच गए हैं।" इस प्रकार तुम्हारा नाम बोया गया इस्ला नेग्रा का पाब्लो।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो की दृष्टि" है, हमें इस्ला नेग्रा ले जाती है, वह स्थान जहाँ पाब्लो नेरुदा को अपना आश्रय और प्रेरणा का स्रोत मिला।

प्रश्न और उत्तर:

कविता की शुरुआत "तुम क्या देखते हो, पाब्लो?" प्रश्न से होती है, जो हमें कवि की आँखों के माध्यम से दुनिया को देखने के लिए आमंत्रित करता है।

उत्तर हमें नेरुदा की दृष्टि को प्रकट करता है: "एक समुद्री गल, एक पत्थर का घर, कल्पनाओं के पहाड़।" ये छवियाँ तटीय परिदृश्य की सादगी और सुंदरता को दर्शाती हैं।

जादुई मंच के रूप में इस्ला नेग्रा:

"तुम देखते हो, पाब्लो, तुम्हारा जादुई मंच इस्ला नेग्रा, काली चट्टानों वाला" हमें उस प्रतीक स्थल पर रखता है जिसने नेरुदा के जीवन और काम को चिह्नित किया।

इस्ला नेग्रा को एक सपनों की जगह के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहाँ प्रकृति और कल्पना आपस में गुंथे हुए हैं।

इस्ला नेग्रा नाम की उत्पत्ति:

कविता हमें इस्ला नेग्रा नाम की उत्पत्ति के बारे में एक किंवदंती बताती है, इसे समुद्र से लौटने वाले मछुआरों की दृष्टि से जोड़ती है।

"पुराने लोग बताते हैं, कि इस्ला नेग्रा सिर्फ एक पदचिह्न था, कि मछुआरे जब समुद्र में अपने काम से लौटते थे तो किनारे पर काली चट्टानें देखते थे और कहते थे: हम इस्ला नेग्रा पहुँच गए हैं, इस प्रकार तुम्हारा नाम बोया गया, इस्ला नेग्रा का पाब्लो।"

यह कहानी जगह में रहस्य और जादू का स्पर्श जोड़ती है, इसे स्थानीय परंपराओं और संस्कृति से जोड़ती है।

नेरुदा का इस्ला नेग्रा से जुड़ाव:

कविता बताती है कि इस्ला नेग्रा नेरुदा के लिए सिर्फ एक भौतिक स्थान नहीं था, बल्कि सृजन और स्वयं से मिलने का एक स्थान भी था।

अंतिम वाक्यांश "इस्ला नेग्रा का पाब्लो" कवि और उनके स्थान के बीच एक पहचान स्थापित करता है।

संक्षेप में, "पाब्लो की दृष्टि" एक कविता है जो हमें पाब्लो नेरुदा की आँखों के माध्यम से इस्ला नेग्रा की सुंदरता को देखने के लिए आमंत्रित करती है, उनके जीवन और काम में इस जगह के महत्व पर प्रकाश डालती है।

तुम्हारे कदम धीमे और निश्चित हैं, जैसे तुम्हारी आवाज़ शांत और स्थिर (Tumhāre Kadam Dhīme aur Niścit Haĩ, Jaise Tumhārī Āvāz Śānt aur Sthir)
"Tus pasos lentos y seguros, como tu voz tranquila y reposada."

तुम्हारे कदम धीमे और निश्चित जैसे तुम्हारी आवाज़ शांत और स्थिर। तुम्हारे कदमों का मार्गदर्शन किसने किया, पाब्लो? बरसात के दक्षिण के बाद पर्वत श्रृंखला के पास एक शहर तक चीड़ के पेड़ों (Cipreses) से भरे एक द्वीप तक जहाँ पुराने समय की गाड़ियों के पहियों के निशान हैं गुज़रने वाली लहरों और रंगीन मछलियों के। तुम्हारे कदमों का स्वागत किसने किया, पाब्लो? उस लोहे के लंगर के साथ जो तुमने अपनी धरती पर छोड़ा और जो अभी भी पसीने से भीगा और ज़ंग खाया हुआ है समुद्र की हवाओं से समय बीतने से जिसने तुम्हारी दृष्टि को ज़ंग नहीं लगाया जो चाग्वाल (Chagual) के पीछे से तुम्हारी तराशी हुई कविताओं को रोशन करती है।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "तुम्हारे कदम धीमे और निश्चित हैं, जैसे तुम्हारी आवाज़ शांत और स्थिर" है, पाब्लो नेरुदा द्वारा तय किए गए मार्ग पर विचार करती है, चिली के दक्षिण में उनकी

शुरुआत से लेकर इस्ला नेग्रा तक उनके आगमन तक, एक ऐसा स्थान जो उनका आश्रय और प्रेरणा का स्रोत बन गया।

कदम और आवाज़ की छवि:

कविता की शुरुआत नेरुदा के कदमों के वर्णन से होती है, "धीमे और निश्चित", और उनकी आवाज़, "शांत और स्थिर", जो शांति और ज्ञान की छवि प्रस्तुत करती है।

यह छवि उनकी कविता में पाई जाने वाली तीव्रता और जुनून के विपरीत है।

दक्षिण से यात्रा:

कविता नेरुदा की "बरसात के दक्षिण" से पर्वत श्रृंखला के पास एक शहर और अंततः इस्ला नेग्रा तक की यात्रा को उद्घाटित करती है।

यह यात्रा नेरुदा द्वारा एक ऐसी जगह की तलाश का प्रतीक है जहाँ वह प्रकृति से जुड़ सकें और अपनी खुद की आवाज़ पा सकें।

गंतव्य के रूप में इस्ला नेग्रा:

इस्ला नेग्रा को एक जादुई जगह के रूप में वर्णित किया गया है, जो "चीड़ के पेड़ों", "पुराने समय की गाड़ियों के पहियों के निशान", "गुज़रने वाली लहरों और रंगीन मछलियों" से भरी हुई है।

यह वर्णन इस जगह की सुंदरता और शांति पर प्रकाश डालता है, जो नेरुदा का घर बन गई।

लोहे का लंगर:

"लोहे के लंगर" की छवि जिसे नेरुदा ने अपनी धरती पर छोड़ा था, उनकी जड़ों से जुड़ाव और समुद्र के साथ उनके संबंध का प्रतीक है।

"और जो अभी भी पसीने से भीगा और ज़ंग खाया हुआ है, समुद्र की हवाओं से, समय बीतने से, जिसने तुम्हारी दृष्टि को ज़ंग नहीं लगाया, जो चाग्वाल के पीछे से तुम्हारी तराशी हुई कविताओं को रोशन करती है" हमें दिखाता है कि कैसे समय बीतने का कवि की विरासत पर कोई असर नहीं पड़ता है।

किसने किया मार्गदर्शन:

"तुम्हारे कदमों का मार्गदर्शन किसने किया, पाब्लो?" प्रश्न नेरुदा के जीवन और काम को प्रभावित करने वाली शक्तियों पर विचार करने के लिए आमंत्रित करता है।

- उत्तर उनके प्रकृति प्रेम, कविता के प्रति उनके जुनून और सुंदरता और सच्चाई की उनकी निरंतर खोज में पाया जा सकता है।

संक्षेप में, "तुम्हारे कदम धीमे और निश्चित हैं, जैसे तुम्हारी आवाज़ शांत और स्थिर" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की उनके गंतव्य की ओर यात्रा का जश्न मनाती है, उनके जीवन और काम में इस्ला नेग्रा के महत्व पर प्रकाश डालती है।

आक्रोस्टिक (ACRÓSTICO)

पथ प्रदर्शक आदिम (Ancestral) बलवान, स्टील के मिज़ाज की बहादुरी लेखन और पठन ओजस्वी शब्दों का प्रदर्शन
नक्षत्रों वाली रात काली एक साथ ऋतुएँ तुम्हारा साथ देती थीं रेल की पटरियाँ जो दक्षिण में रह गईं ुडने वाला जलकाग (Cormorán) समुद्री गल (gaviotas) के साथ दरिद्रता के बाद ागे बढ़ने के लिए तुम्हारी पाल को समतल किया गया।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "आक्रोस्टिक" है, पाब्लो नेरुदा को एक श्रद्धांजलि है जो आक्रोस्टिक (वर्णानुक्रम) के रूप का उपयोग करती है, जहाँ प्रत्येक पंक्ति का पहला अक्षर मिलकर नाम "PABLO NERUDA" बनाता है।

आक्रोस्टिक की संरचना:

कविता की प्रत्येक पंक्ति "PABLO NERUDA" नाम के एक अक्षर से शुरू होती है, जो एक ऐसी संरचना बनाती है जो कवि के प्रति श्रद्धांजलि को बढ़ाती है।

नेरुदा का वर्णन:

कविता नेरुदा को एक "आदिम कवि" के रूप में वर्णित करती है, जो उनकी जड़ों और परंपरा से जुड़ाव को उजागर करता है।

"स्टील के मिज़ाज की बहादुरी" कवि की दृढ़ता को दर्शाती है।

"लेखन और पठन, ओजस्वी शब्दों का प्रदर्शन" शब्दों के साथ नेरुदा की क्षमता पर प्रकाश डालता है।

"नक्षत्रों वाली रात काली" रात के परिदृश्य की सुंदरता को उद्घाटित करती है, जो उनकी कविता में एक आवर्ती विषय है।

"ऋतुएँ तुम्हारा साथ देती थीं" प्रकृति के साथ नेरुदा के जुड़ाव को दिखाता है।

"रेल की पटरियाँ जो दक्षिण में रह गईं" हमें चिली के दक्षिण की ओर ले जाता है, जो नेरुदा के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है।

"जलकाग समुद्री गल के साथ" नेरुदा के जीवन में मौजूद समुद्री जीवन को उद्घाटित करता है।

"दरिद्रता के बाद, आगे बढ़ने के लिए तुम्हारी पाल को समतल किया गया" हमें दिखाता है कि कैसे नेरुदा हमेशा आगे बढ़ते थे।

नेरुदा के काम और जीवन का आह्वान:

कविता नेरुदा के जीवन और काम के प्रमुख तत्वों को संदर्भित करती है, जैसे कि चिली के दक्षिण के साथ उनका जुड़ाव, प्रकृति के प्रति उनका प्रेम और भाषा पर उनकी महारत।

- आक्रोस्टिक नेरुदा के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों का एक काव्यात्मक सारांश है।

संक्षेप में, "आक्रोस्टिक" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि देने के लिए आक्रोस्टिक रूप का उपयोग करती है, उनके जीवन और काम के प्रमुख पहलुओं को उजागर करती है।

नारी (MUJER)

पाब्लो: तुम्हारी आँखों ने उन्हें देखा
तुम्हारे अक्षरों ने उन्हें तराशा। एक
नज़र काफी थी प्रियतमा को
खोजने के लिए। इच्छाएँ और
कल्पनाएँ ढेरों चुम्बन निषिद्ध
दुलार भावनाओं का प्रवाह सरल,
गर्मजोशी भरी, दुःख छोड़कर
दूसरों की निष्ठा घास के मैदान की
तलाश में। अमर मुस्कान मोम की नारी तक पहुँचना मन स्पष्ट
और निश्चित जैसे खदान का पत्थर।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "नारी" है, पाब्लो नेरुदा के महिलाओं के साथ संबंधों की खोज करती है, उनकी कविता के माध्यम से उनके सार को पकड़ने की उनकी क्षमता को उजागर करती है।

दृष्टि और लेखन:

कविता की शुरुआत नेरुदा की "आँखों" और उनके "अक्षरों" के माध्यम से नारी की सुंदरता को देखने और चित्रित करने की क्षमता पर प्रकाश डालने से होती है।

"एक नज़र प्रियतमा को खोजने के लिए काफी थी" नेरुदा के आसानी से मोहित होने की क्षमता को दर्शाता है।

भावनाएँ और इच्छाएँ:

कविता उस जुनून और इच्छा को उद्घाटित करती है जो नेरुदा महिलाओं के लिए महसूस करते थे, "इच्छाएँ और कल्पनाएँ, ढेरों चुम्बन, निषिद्ध दुलार, भावनाओं का प्रवाह" का वर्णन करते हुए।

"सरल, गर्मजोशी भरी, दुःख छोड़कर दूसरों की निष्ठा घास के मैदान की तलाश में।" हमें कवि के प्रेम संबंधों को दिखाता है।

नारी का आदर्शीकरण:

कविता नारी के आदर्शीकरण का भी सुझाव देती है, उसे एक "मोम की नारी, मन स्पष्ट और निश्चित जैसे खदान का पत्थर" के रूप में वर्णित करती है।

"अमर मुस्कान" दिखाती है कि नारी की सुंदरता कुछ ऐसी है जो बनी रहती है।

नेरुदा की कविता में नारी:

कविता नेरुदा की कविता में नारी की निरंतर उपस्थिति को दर्शाती है, जहाँ वह प्रेरणास्रोत, इच्छा का विषय और सुंदरता का प्रतीक बन जाती है।

अल्फ्रेड आसिस फेर्रांडो हमें यह देखने देते हैं कि कैसे नारी ने नेरुदा के लिए एक महान प्रेरणा थी।

संक्षेप में, "नारी" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के महिलाओं के साथ संबंधों की खोज करती है, उनकी कविता के माध्यम से उनके सार को पकड़ने की उनकी क्षमता को उजागर करती है और कैसे नारी का व्यक्तित्व उनके जीवन और काम में महत्वपूर्ण था।

पाब्लो और नदी (Pābulo aur Nadī - Pablo y el río)

तुमने इसे नाव से पार करना चाहा
तुमने इसके पत्थरों को महसूस
किया कैसे छोटे समुद्र की तरह
इसके झाग और लकीरें। तुमने
अपने पैर इसके ठंडे पानी में डुबोए
धाराओं ने तुम्हें धकेला तुम्हारे हाथों
ने स्तुति की। इसके पत्थरों की फुसफुसाहट ने तुम्हारा ध्यान
खींचा हाँ, वे तुमसे बात कर रहे थे उग्र जलधारा से वे तुम्हें नदी के
संगीत गा रहे थे।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो और नदी" है, पाब्लो नेरुदा के नदी के साथ संबंध की खोज करती है, एक प्राकृतिक तत्व जो जीवन, गति और प्रेरणा का प्रतीक है।

नदी के साथ भौतिक जुड़ाव:

कविता नेरुदा की नदी के साथ भौतिक बातचीत का वर्णन करती है: "तुमने इसे नाव से पार करना चाहा, तुमने इसके पत्थरों को महसूस किया, तुमने अपने पैर इसके ठंडे पानी में डुबोए।"

ये छवियाँ नेरुदा के संवेदी अनुभव, प्रकृति के साथ उनके सीधे संपर्क को उद्घाटित करती हैं।

एक छोटे समुद्र के रूप में नदी:

"कैसे छोटे समुद्र की तरह इसके झाग और लकीरें" नेरुदा की दृष्टि को दिखाता है कि कैसे नदी एक छोटा समुद्र है, जिसकी अपनी विशेषताएँ हैं।

प्रेरणा के स्रोत के रूप में नदी:

"इसके पत्थरों की फुसफुसाहट ने तुम्हारा ध्यान खींचा, हाँ, वे तुमसे बात कर रहे थे, उग्र जलधारा से, वे तुम्हें नदी के संगीत गा रहे थे" यह सुझाव देता है कि नदी नेरुदा के लिए प्रेरणा का एक स्रोत थी, जिन्हें इसकी फुसफुसाहट और इसके पत्थरों की आवाज़ में एक काव्य धुन मिलती थी।

पत्थरों ने कवि से बात की, और उन्हें उनकी कविता के लिए प्रेरणा दी।

जीवन के प्रतीक के रूप में नदी:

नदी, अपनी धारा और निरंतर गति के साथ, जीवन के प्रतीक के रूप में व्याख्या की जा सकती है, जो बहता है और बदलता है।

"धाराओं ने तुम्हें धकेला, तुम्हारे हाथों ने स्तुति की" हमें नदी की शक्ति को दिखाता है, और कैसे नेरुदा इसकी प्रशंसा करते थे।

आवाज़ के रूप में प्रकृति:

कविता प्रकृति को एक ऐसी इकाई के रूप में दर्शाती है जो

कवि के साथ संवाद करती है।

संक्षेप में, "पाब्लो और नदी" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के नदी के साथ जुड़ाव का जश्न मनाती है, प्रकृति में प्रेरणा खोजने और उसकी काव्य आवाज़ को महसूस करने की उनकी क्षमता को उजागर करती है।

पाब्लो और ज्वालामुखी (Pābulo aur Jvālāmukhī - Pablo y el volcán)

तुम्हारी निगाह उठी बर्फ़ के शंकु की
ओर पृथ्वी से आकाश तक ऊँची
पहाड़ी गरजने वाला और धुआँ छोड़ने
वाला तुम्हारे भोलेपन को चकित किया।
परिदृश्यों के साथी जैसे उनके तालों का
बिस्तर सर्दियों में सफ़ेद गर्मियों में नग्न।
तुमने कठोर मैग्मा को छुआ जो उन
अनुपस्थित दिनों में उग्र रूप से बहते थे
जो कल लौटेंगे।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो और ज्वालामुखी" है, पाब्लो नेरुदा के ज्वालामुखियों के प्रति आकर्षण को दर्शाती है, जो प्रकृति की शक्ति और परिवर्तन के प्रतीक हैं।

ऊँचाई की ओर दृष्टि:

कविता की शुरुआत नेरुदा की निगाहें "बर्फ़ के शंकु", ज्वालामुखी की ओर उठने की छवि से होती है, जो "पृथ्वी से आकाश तक" फैला हुआ है।

यह ज्वालामुखी की भव्यता और प्रभाव के लिए नेरुदा की प्रशंसा का प्रतिनिधित्व करता है।

ज्वालामुखी की शक्ति और रहस्य:

"गरजने वाला और धुआँ छोड़ने वाला तुम्हारे भोलेपन को चकित किया" ज्वालामुखी की शक्ति और रहस्य को उद्घाटित करता है, इसकी ध्वनियों और उत्सर्जन के साथ। "परिदृश्यों के साथी, जैसे उनके तालों का बिस्तर, सर्दियों में सफ़ेद, गर्मियों में नग्न।" हमें ज्वालामुखी को घेरने वाले परिदृश्य के परिवर्तनों को दिखाता है।

पृथ्वी से जुड़ाव:

"तुमने कठोर मैग्मा को छुआ जो उन अनुपस्थित दिनों में उग्र रूप से बहते थे जो कल लौटेंगे" नेरुदा के पृथ्वी के साथ, उसके इतिहास और उसकी ऊर्जा के साथ भौतिक और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

मैग्मा, पृथ्वी की आंतरिक शक्ति का प्रतीक, नेरुदा की रचनात्मक शक्ति का भी प्रतिनिधित्व करता है।

परिवर्तन के प्रतीक के रूप में ज्वालामुखी:

ज्वालामुखी, परिदृश्य को बदलने की अपनी क्षमता के साथ, जीवन और प्रकृति के निरंतर परिवर्तन के प्रतीक के रूप में व्याख्या किया जा सकता है।

प्रेरणा के स्रोत के रूप में प्रकृति:

कविता प्रकृति को नेरुदा के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में दर्शाती है।

संक्षेप में, "पाब्लो और ज्वालामुखी" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के ज्वालामुखियों के प्रति आकर्षण का जश्न मनाती है, प्रकृति की शक्ति और परिवर्तन में सुंदरता और अर्थ खोजने की उनकी क्षमता को उजागर करती है।

पाब्लो, एक आँसू (Pābulo, Ek Āṁsū – Pablo, una lágrima)

मैं सुनहरे गाल देखता हूँ एक आँसू से चिह्नित जैसे पहाड़ की सहायक नदी कल के चेहरों पर बह रही हो। वे ही हैं जो तुम्हें प्यार करते हैं और हर दिन तुम्हारी गोद में आते हैं, इस्ला नेग्रा की धरती पर कदम रखते हैं और समुद्र में सूर्यास्त देखते हैं। वे हजारों हैं, जो यह घोषणा करते हैं कि वे तुम्हें पहले से जानते थे दूर देशों के पथिक, राहगीर इतने सारे भाइयों की उदार फसल।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो, एक आँसू" है, पाब्लो नेरुदा की भावना और स्थायी विरासत को उद्घाटित करती है, जो कवि और उनके प्रशंसकों के बीच इस्ला नेग्रा में स्थापित जुड़ाव पर केंद्रित है।

भावना के प्रतीक के रूप में आँसू:

कविता की शुरुआत "सुनहरे गालों" पर बहते आँसू की छवि से होती है, जो उस भावना का प्रतीक है जिसे नेरुदा अभी भी अपने आगंतुकों में जगाते हैं।

"जैसे पहाड़ की सहायक नदी कल के चेहरों पर बह रही हो।" आँसू को एक नदी के रूप में वर्णित करता है, जो ऊँचाई से भविष्य की ओर बहती है।

तीर्थयात्रा के स्थान के रूप में इस्ला नेग्रा:

कविता वर्णन करती है कि कैसे नेरुदा के प्रशंसक इस्ला नेग्रा आते हैं, "इस्ला नेग्रा की धरती पर कदम रखते हैं" और समुद्र को देखते हैं, कवि की आत्मा से जुड़ने की तलाश में।

"वे ही हैं जो तुम्हें प्यार करते हैं और हर दिन तुम्हारी गोद में आते हैं" उस स्नेह को दर्शाता है जो लोग कवि के लिए महसूस करते हैं।

नेरुदा की स्थायी विरासत:

"हजारों, जो यह घोषणा करते हैं कि वे तुम्हें पहले से जानते थे, दूर देशों के पथिक, राहगीर, इतने सारे भाइयों की उदार फसल" नेरुदा की विरासत की सार्वभौमिकता पर प्रकाश डालता है, जो सीमाओं और पीढ़ियों को पार करती है। कवि अपने पाठकों के दिल में जीवित रहता है।

कवि और उनके प्रशंसकों के बीच जुड़ाव:

कविता नेरुदा और उनके प्रशंसकों के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करती है, जो उनकी कविता और उनके निवास स्थान में एक आश्रय और प्रेरणा का स्रोत पाते हैं।

संक्षेप में, "पाब्लो, एक आँसू" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की भावनात्मक विरासत का जश्न मनाती है, जो इस्ला नेग्रा में कवि और उनके प्रशंसकों के बीच स्थायी जुड़ाव को उजागर करती है।

इस्ला नेग्रा में (EN ISLA NEGRA - En Isla Negra)

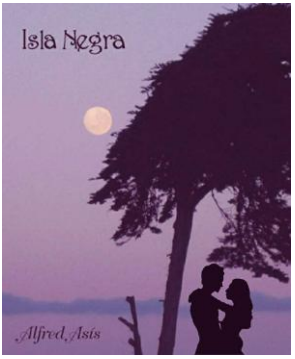

इस्ला नेग्रा में रात उतरती है चीड़ के पेड़ प्रेतों में बदल जाते हैं। चाँद लहरों को पोषित करता है उस उग्र समुद्र की जो शांति को बुझा देता है। फूल अपनी सुगंध उत्सर्जित कर पाते हैं। चाग्वाल (chagual) की मिठास। डोका (doca) का शहद, यहाँ तक कि एलोवेरा की कड़वाहट भी। घर में प्रवेश करते हुए, पाब्लो, एक लाल "नावेगाओ" (navegao) वाइन गरम, सुलाने वाली वाष्पों से भरी हुई। वर्षा अपना उत्सव शुरू करती है दार्शनिक छत पर दस्तक देती है। गरज सुनाई देती है तुम रचनात्मकता से भर जाते हो। तुम अपनी भावना लिखना चाहते हो तुम अपनी बगल में अपनी प्यारी को सहलाते हुए देखते हो; या तुम उसके साथ बिस्तर पर चले जाते हो या तुम उसे एक तरफ छोड़ देते हो और पेंसिल और कागज उठा लेते हो और अपने अक्षरों को खिलने देते हो।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "इस्ला नेग्रा में" है, हमें एक तूफानी रात के दौरान इस्ला नेग्रा के जादुई वातावरण में ले जाती है, जहाँ प्रकृति और रचनात्मकता पाब्लो नेरुदा के व्यक्तित्व में आपस में गुंथे हुए हैं।

इस्ला नेग्रा का रात्रि का वातावरण:

कविता इस्ला नेग्रा के रात के परिदृश्य के परिवर्तन का वर्णन करती है, जहाँ चीड़ के पेड़ प्रेतों में बदल जाते हैं और समुद्र चाँद की रोशनी में उग्र हो जाता है।

यह रहस्यमय और आह्लादक वातावरण काव्य प्रेरणा के लिए एक आदर्श मंच बनाता है।

प्रकृति का संगीत:

कविता फूलों की सुगंध और प्रकृति के स्वादों को उद्घाटित करती है, चाग्वाल की मिठास से लेकर एलोवेरा की कड़वाहट तक, एक संवेदी संगीत पैदा करती है।

बारिश और गरज इस संगीत में जुड़ जाते हैं, जिससे तीव्रता और भावना का माहौल बनता है।

नेरुदा का आश्रय:

कविता हमें नेरुदा के घर ले जाती है, जहाँ कवि एक लाल "नावेगाओ" वाइन में आश्रय और गर्माहट पाते हैं।

अंतरंगता और एकांत का यह क्षण बाहरी तूफान की तीव्रता के विपरीत है।

काव्य प्रेरणा:

बारिश और गरज नेरुदा की रचनात्मकता को जगाते हैं, जो अपनी भावनाओं को लिखने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं।

कविता हमें कवि की द्वैतता को दिखाती है, जो अपनी प्रेमिका की संगति और अपनी प्रेरणा को आज़ाद करने की आवश्यकता के बीच बहस करते हैं।

"या तुम उसके साथ बिस्तर पर चले जाते हो या तुम उसे एक तरफ छोड़ देते हो और पेंसिल और कागज उठा लेते हो और अपने अक्षरों को खिलने देते हो" हमें इस द्वैतता को दिखाता है।

प्रेरणास्रोत के रूप में प्रकृति:

इस कविता में, प्रकृति को कवि की महान प्रेरणास्रोत के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

संक्षेप में, "इस्ला नेग्रा में" एक कविता है जो इस्ला नेग्रा में पाब्लो नेरुदा के जीवन के सार को पकड़ती है, जहाँ प्रकृति, भावना और रचनात्मकता एक जादुई और आह्लादक परिदृश्य में आपस में गुंथे हुए हैं।

नेरुदा और अधिक (MĀS Y MĀS DE NERUDA – Más y más de Neruda)

वे चिली की पहाड़ियों से होते हुए चल रहे थे। ब्यूनस आयर्स की उन अंतहीन सड़कों पर। पेरिस की सड़कों और स्पेन के चौराहों से, यहाँ तक कि माचू पिच्चू और पेरू के पहाड़ों तक। दुनिया के कोनों में शुद्ध प्रकृति की छोटी सड़कें और गलियाँ, एक भृंग के पदचिह्न, तितली की उड़ान, मछली के तैरने का अनुसरण करते हुए। समुद्र के ऊपर पक्षी का उड़ना, पेड़ से सूखे पत्ते का गिरना हवा से दुलारी गई टहनी का चरमराना। तुम और अधिक... पाब्लो

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "नेरुदा और अधिक" है, पाब्लो नेरुदा की दुनिया में सर्वव्यापी उपस्थिति का जश्न मनाती है, उनकी मूल भूमि चिली के परिदृश्यों से लेकर ग्रह के सबसे दूर के कोनों तक।

दुनिया भर में नेरुदा की यात्रा:

कविता नेरुदा की दुनिया के विभिन्न स्थानों की यात्रा का वर्णन करती है, "चिली की पहाड़ियों" से लेकर "माचू पिच्चू" और "स्पेन के चौराहों" तक।

यह वर्णन एक यात्री नेरुदा की छवि को उद्घाटित करता है, जिसने प्रेरणा और अनुभवों की तलाश में दुनिया की यात्रा की।

प्रकृति के साथ जुड़ाव:

कविता नेरुदा के प्रकृति के साथ जुड़ाव पर प्रकाश डालती है, जिसमें "भृंग के पदचिह्न", "तितली की उड़ान", "मछली का तैरना" और "सूखे पत्ते का गिरना" जैसे तत्वों का उल्लेख किया गया है।

ये छवियाँ प्राकृतिक दुनिया के प्रति नेरुदा की संवेदनशीलता को उद्घाटित करती हैं, जो उनकी कविता में परिलक्षित होती है।

नेरुदा की सर्वव्यापी उपस्थिति:

कविता बताती है कि नेरुदा की उपस्थिति उन स्थानों से आगे तक फैली हुई है जहाँ उन्होंने दौरा किया, "दुनिया के कोनों में शुद्ध प्रकृति की छोटी सड़कों और गलियों" को भरते हुए।

"तुम और अधिक... पाब्लो" उनकी विरासत की दृढ़ता पर ज़ोर देता है, जो उनके पाठकों की स्मृति और कल्पना में जीवित है।

एकीकृत तत्व के रूप में प्रकृति:

- कविता हमें दिखाती है कि कैसे प्रकृति एक एकीकृत तत्व है, जो नेरुदा को दुनिया से जोड़ता है।

संक्षेप में, "नेरुदा और अधिक" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की दुनिया में स्थायी उपस्थिति का जश्न मनाती है, उनकी प्रकृति के साथ जुड़ाव और सीमाओं और पीढ़ियों को पार करने की उनकी क्षमता को उजागर करती है।

मैं तुम्हें देखता हूँ, पाब्लो
(Maiṁ Tumheṁ Dekhtā Hūṁ, Pābulo – Te veo Pablo)

बुदी (Budi) के किनारे बैठे हुए उस निकटवर्ती समुद्र तट पर टूटी हुई नाव में वह नाव जो इसके पानी में चली थी इसकी लहरों के कोमल मोड़ों को देखते हुए अपनी निगाह को क्षितिज की ओर खोते हुए। मैं तुम्हें चुपचाप और जटिल देखता हूँ समुद्र से तुम्हें अलग करने वाली दूरियों को गिनते हुए उस व्यक्ति का गीत महसूस करते हुए जो नौकायन के लिए जा रहा है। मैं तुम्हें देखता हूँ और तुम्हें खोता नहीं हूँ तुम हमेशा समुद्र से जुड़े रहते हो तुम्हारे मन से गिरे हुए अक्षरों को बोते हुए।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "मैं तुम्हें देखता हूँ, पाब्लो" है, हमें पाब्लो नेरुदा की एक अंतरंग और चिंतनशील छवि प्रस्तुत करती है, जो एक तटीय परिदृश्य में स्थित है, जहाँ प्रकृति और चिंतन आपस में गुँथे हुए हैं।

परिदृश्य में नेरुदा की छवि:

कविता हमें नेरुदा को "बुदी (Budi) के किनारे बैठे हुए" एक समुद्र तट पर, एक "टूटी हुई नाव" के बगल में दिखाती है,

ऐसे तत्व जो सादगी और प्रकृति से जुड़ाव को उद्घाटित करते हैं।

"इसकी लहरों के कोमल मोड़ों को देखते हुए, अपनी निगाह को क्षितिज की ओर खोते हुए" हमें नेरुदा को चिंतन के एक क्षण में प्रस्तुत करता है।

चिंतन और उदासी:

"मैं तुम्हें चुपचाप और जटिल देखता हूँ, समुद्र से तुम्हें अलग करने वाली दूरियों को गिनते हुए, उस व्यक्ति का गीत महसूस करते हुए जो नौकायन के लिए जा रहा है" गहरे चिंतन और शायद उदासी के एक क्षण का सुझाव देता है, जहाँ नेरुदा समुद्र की विशालता और उससे उन्हें अलग करने वाली दूरी का सामना करते हैं।

नेरुदा की स्थायी उपस्थिति:

"मैं तुम्हें देखता हूँ और तुम्हें खोता नहीं हूँ, तुम हमेशा समुद्र से जुड़े रहते हो, तुम्हारे मन से गिरे हुए अक्षरों को बोते हुए" नेरुदा की स्थायी उपस्थिति पर प्रकाश डालता है, जो समुद्र से अपने जुड़ाव और अपनी काव्य विरासत में जीवित हैं।

नेरुदा हमेशा मौजूद हैं, और उनकी विरासत बनी रहती है।

समुद्र से जुड़ाव:

समुद्र, नेरुदा के जीवन और काम में एक स्थिर तत्व, विशालता, स्वतंत्रता और प्रेरणा का प्रतीक के रूप में प्रस्तुत होता है।

समुद्र नेरुदा का एक हिस्सा है, और नेरुदा समुद्र का एक हिस्सा हैं।

बुवाई के रूप में कविता:

"तुम्हारे मन से गिरे हुए अक्षरों को बोते हुए" हमें कविता को एक बुवाई के रूप में दिखाता है, जहाँ अक्षर बीज हैं जो अंकुरित होते हैं।

संक्षेप में, "मैं तुम्हें देखता हूँ, पाब्लो" एक कविता है जो हमें अंतरंगता और चिंतन के एक क्षण में पाब्लो नेरुदा के व्यक्तित्व को देखने के लिए आमंत्रित करती है, समुद्र से उनके जुड़ाव और उनकी स्थायी काव्य विरासत को उजागर करती है।

पाब्लो, तुम्हारे बचपन की रेलगाड़ी
(Pābulo, Tumhāre Bacpan kī Relgāṛī – Pablo, de tu niñez, el tren)

तुमने लोहे की मिठास, लोहे की ताकत, लोहे की दहाड़, लोहे की खड़खड़ाहट महसूस की।
वह तुम्हारे पिता के साथ ट्रेन का लोहा था। उसे घूमते हुए तुमने प्लेटफॉर्म से देखा तुमने उसे उभरते हुए देखा। पाब्लो, अचानक तुम जंगल में आ गए लोहे की पटरी के बगल में। फिर से, सब कुछ लोहा था लेकिन तुम्हारा सामना पेड़ों से हुआ। सदाबहार वनों की उत्कृष्ट और बंदी लकड़ी। यह कल्पना किया गया दक्षिण था यह तुम्हारे रोम-रोम में उतर गया। ज़मीन पर कितनी सारी पत्तियाँ थीं। और उनकी शाखाएँ आकाश की ओर थीं। कितनी हरियाली और ऊँचाई थी वही तुम्हारा नया प्रिय था; विशाल बगीचे का पेड़ वे जिन्हें जलाया नहीं गया था।

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो, तुम्हारे बचपन की रेलगाड़ी" है, हमें पाब्लो नेरुदा के बचपन में ले जाती है, रेलगाड़ी की छवि को खोज के प्रतीक और चिली के दक्षिणी परिदृश्य के साथ जुड़ाव के रूप में उद्घाटित करती है।

खोज के प्रतीक के रूप में रेलगाड़ी:

कविता की शुरुआत नेरुदा के रेलगाड़ी के प्रति आकर्षण का वर्णन करने से होती है, जिसमें "लोहे" की विभिन्न अभिव्यक्तियों में उपस्थिति पर प्रकाश डाला गया है: "लोहे की मिठास, लोहे की ताकत, लोहे की दहाड़, लोहे की खड़खड़ाहट।"

रेलगाड़ी, अपने पिता के साथ, युवा नेरुदा के लिए दुनिया की खोज और अन्वेषण का एक माध्यम थी।

प्राकृतिक परिदृश्य में परिवर्तन:

कविता लोहे की दुनिया से प्रकृति की दुनिया में परिवर्तन का वर्णन करती है, जब नेरुदा "लोहे की पटरी के बगल में जंगल" में पहुँचते हैं।

"फिर से, सब कुछ लोहा था, लेकिन तुम्हारा सामना पेड़ों से हुआ, सदाबहार वनों की उत्कृष्ट और बंदी लकड़ी।" हमें वातावरण में बदलाव को दिखाता है।

चिली के दक्षिण से जुड़ाव:

कविता चिली के दक्षिण के विशिष्ट परिदृश्य को उद्घाटित करती है, जिसमें "पेड़", "सदाबहार वन" और "ज़मीन पर पत्तियाँ" शामिल हैं।

"यह कल्पना किया गया दक्षिण था, तुम्हारे रोम-रोम में उतर गया, ज़मीन पर कितनी सारी पत्तियाँ थीं और उनकी शाखाएँ आकाश की ओर थीं, कितनी हरियाली और ऊँचाई थी, वही तुम्हारा नया प्रिय था, विशाल बगीचे का पेड़, वे जिन्हें जलाया

नहीं गया था।" हमें दक्षिण के परिदृश्य को उद्घाटित करता है।

"विशाल बगीचे" के रूप में प्रकृति:

"विशाल बगीचे" की अभिव्यक्ति प्रकृति की विशालता और बहुतायत, साथ ही मोहित करने और बदलने की उसकी शक्ति का सुझाव देती है।

बचपन और स्मृति:

कविता हमें नेरुदा के बचपन में ले जाती है, जहाँ उनकी इंद्रियाँ दुनिया के अनुभव के लिए खुलती हैं, जहाँ रेलगाड़ी और प्रकृति एक अमिट स्मृति में विलीन हो जाते हैं।

संक्षेप में, "पाब्लो, तुम्हारे बचपन की रेलगाड़ी" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के चिली के दक्षिणी परिदृश्य के साथ जुड़ाव का जश्न मनाती है, उनके बचपन में रेलगाड़ी और प्रकृति के महत्व पर प्रकाश डालती है।

फूलों की शुरुआत (Phūloṁ kī Śurūāt – Comienzos de la flor)

ओ, फूल जो आलोकित करते हो
अपने रंगों से जीवन की आत्मा को।
जो अपनी पवित्रता से भर देते हो
भव्य घास के मैदान को। जो वसंत
और प्रेम संबंधों की घोषणा करते हो।
जो बोए जाते हो। जो मृत पत्तियों से
धरती पर लौट आते हो। फूल, पाब्लो
ने तुम्हें बोया, तुम्हें अंकुरित कराया तुम्हें दिलों में बढ़ाया। मैं कौन
हूँ जो कहूँ, कि मैं कवि हूँ मैं तो बस पाब्लो का फूल बनना चाहता
हूँ।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "फूलों की शुरुआत" है, पाब्लो नेरुदा की कविता के उद्गम और प्रभाव की खोज के लिए फूल के रूपक का उपयोग करती है, साथ ही सम्मानित कवि की महानता के सामने स्वयं लेखक की विनम्रता को भी दर्शाती है।

कविता के प्रतीक के रूप में फूल:

कविता फूल को एक ऐसे तत्व के रूप में वर्णित करती है जो आत्मा को आलोकित करता है, दुनिया को पवित्रता से भरता है और सुंदरता और प्रेम की घोषणा करता है।

ये गुण कविता से जुड़े हैं, जिसमें वास्तविकता को बदलने और भावनाओं को जगाने की शक्ति होती है।

फूलों को बोने वाले के रूप में नेरुदा:

"फूल, पाब्लो ने तुम्हें बोया, तुम्हें अंकुरित कराया, तुम्हें दिलों में बढ़ाया" यह सुझाव देता है कि नेरुदा ने अपनी कविता के माध्यम से अपने पाठकों की आत्मा में फूल बोए, संवेदनशीलता और प्रशंसा को अंकुरित कराया।

नेरुदा को कविता के बीज बोने वाले के रूप में देखा जाता है, जो दिलों में अंकुरित होती है।

लेखक की विनम्रता:

"मैं कौन हूँ जो कहूँ कि मैं कवि हूँ, मैं तो बस पाब्लो का फूल बनना चाहता हूँ" अल्फ्रेड आसिस की नेरुदा की महानता के सामने विनम्रता व्यक्त करता है, वह केवल उनकी काव्य विरासत का हिस्सा बनना चाहते हैं।

लेखक नेरुदा के लिए अपनी प्रशंसा दिखाता है।

जीवन और कविता का चक्र:

मृत पत्तियों से धरती पर लौटने वाले फूल का संदर्भ जीवन और कविता के चक्र को उद्घाटित करता है, जो लगातार नवीनीकृत होता रहता है।

कविता एक निरंतर चक्र के रूप में।

संक्षेप में, "फूलों की शुरुआत" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की काव्य विरासत का जश्न मनाती है, उनकी कविता के माध्यम से दुनिया को प्रेरित करने और बदलने की उनकी क्षमता को उजागर करने के लिए फूल के रूपक का उपयोग करती है।

IN तुम वहीं रह गए (TUM VAHĪṂ RAH GAE – Te has quedado)

पाब्लो (Pābulo) रास्ते का अनुसरण करते हुए जैसे माली घास

का अपने गंतव्य का नाम लेते हुए धरती से आकाश तक। पर्यावरण मंडलियाँ पगडंडियों पर तुम्हारा साथ देती हैं जबकि जनसमूह हिलते हैं धूल उठाते हुए। पाब्लो- लोग कराहते हैं पाब्लो- सहायक नदी के पास पहुँचते हैं पाब्लो- पर्वत श्रृंखलाओं को पार करते हैं पाब्लो- स्वतंत्रता में साँस लेते हैं। साथी स्वतंत्रतावादी पाब्लो के साथ रुक गए हैं। पाब्लो, प्रिय कवि। साथी उनकी हाथों की गर्माहट के साथ उनकी उदास निगाह के साथ चमकाए हुए जूते, लंबा कोट और आलोकित (चेहरा) के साथ रुक गए हैं।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "तुम वहीं रह गए" है, दुनिया में पाब्लो नेरुदा की स्थायी उपस्थिति का जश्न मनाती है, जो एक कवि के रूप में उनकी विरासत और स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

मार्ग पर नेरुदा की छवि:

कविता की शुरुआत नेरुदा के मार्ग का अनुसरण करने की छवि से होती है, जिसकी तुलना एक माली से की जाती है जो अपने बगीचे की देखभाल करता है।

"धरती से आकाश तक अपने गंतव्य का नाम लेते हुए" हमें नेरुदा की लौकिक को पारलौकिक से जोड़ने की क्षमता को दिखाता है।

लोगों का साथ:

"पर्यावरण मंडलियाँ पगडंडियों पर तुम्हारा साथ देती हैं जबकि जनसमूह हिलते हैं धूल उठाते हुए" नेरुदा को लोगों से घिरे होने की छवि को उद्घाटित करता है, जो उनका अनुसरण करते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं।

धूल उठाने वाले जनसमूह लोगों का प्रतीक हैं।

लोगों का कोलाहल:

"पाब्लो-" के बाद विभिन्न क्रियाओं की पुनरावृत्ति ("लोग कराहते हैं", "सहायक नदी के पास पहुँचते हैं", "पर्वत श्रृंखलाओं को पार करते हैं", "स्वतंत्रता में साँस लेते हैं") लोगों की स्मृति में नेरुदा की निरंतर उपस्थिति पर जोर देती है।

"पाब्लो- स्वतंत्रता में साँस लेते हैं" हमें नेरुदा को स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में दिखाता है।

स्वतंत्रता की विरासत:

"साथी स्वतंत्रतावादी पाब्लो के साथ रुक गए हैं, पाब्लो, प्रिय कवि" स्वतंत्रता के एक रक्षक के रूप में नेरुदा की विरासत पर प्रकाश डालता है।

नेरुदा एक प्रिय कवि और एक स्वतंत्रतावादी हैं।

कवि की छवि:

"साथी उनकी हाथों की गर्माहट के साथ, उनकी उदास निगाह के साथ, चमकाए हुए जूते, लंबा कोट और आलोकित (चेहरा) के साथ रुक गए हैं" नेरुदा की उनकी महानता के बावजूद एक निकट और मानवीय व्यक्ति के रूप में छवि को उद्घाटित करता है।

नेरुदा को एक निकट व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है।

संक्षेप में, "तुम वहीं रह गए" एक कविता है जो दुनिया में पाब्लो नेरुदा की स्थायी उपस्थिति का जश्न मनाती है, जो एक कवि के रूप में उनकी विरासत और स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

पाब्लो और रोमेओ (Pābulo aur Rame'ō – Pablo y Romeo)

कवि मूर्गा (Murga) पेडागोगिको (Pedagógico) में अपनी पढ़ाई के दौरान कवि पाब्लो नेरुदा के साथ एक घनिष्ठ मित्रता विकसित की, जो उनकी काव्य आत्मीयता से मजबूत हुई। कवि लुईस एनरिक डेलाटो (Luís Enrique Delato), अपने लेखन में उन पाठों (recitals) और प्रतियोगिताओं को याद करते हैं जिनमें वे एक साथ भाग लेते थे। रोमेओ मूर्गा और नेरुदा, कभी-कभी एक "लेजाना" ("Lejana") कविता के साथ और दक्षिणी कवि "फेयरवेल" ("Farewell") के साथ और जोड़ते हैं कि कभी-कभी वे साझा करते थे "बीयर पर बीयर के बीच कुछ बोहेमियन रातें"।

पाब्लो, रोमेओ मूर्गा से मिलते हैं: दक्षिण की भूमि से पाब्लो: पार्राल और तेमुको सड़क के किनारे, प्रचुर पानी, बड़े पेड़ सर्दियों की प्रचंड नदियाँ, झीलें और शाश्वत बर्फ़ीली चोटियाँ।
अटाकामा से रोमेओ: कोपियापो!... वह शहर जिसे मैं चाहता हूँ सूखी पहाड़ियों में खनिज, पुराने समय के जलमार्ग पत्थरों से बोए गए, दिन में झुलसा देने वाला सूरज, रात में कठोर ठंड, अनगिनत तारों से भरे आसमान भूकंपों और प्रतीक्षारत बीजों की भूमि।

पाब्लो और रोमेओ दोनों, अनंत इस धरती के, इस धरती के लिए तारों से जड़े चिली के।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो और रोमेओ" है, पाब्लो नेरुदा और कवि रोमेओ मूर्गा के बीच की दोस्ती को प्रस्तुत करती है, जो उनके मूल और चिली की धरती के साथ उनके जुड़ाव पर प्रकाश डालती है।

नेरुदा और मूर्गा के बीच दोस्ती:

कविता बताती है कि कैसे नेरुदा और मूर्गा ने पेडागोगिको में अपनी पढ़ाई के दौरान एक घनिष्ठ मित्रता विकसित की, अपनी कविता के प्रति अपने जुनून को साझा करते हुए। उन पाठों और प्रतियोगिताओं का उल्लेख किया गया है जिनमें उन्होंने एक साथ भाग लिया, साथ ही उनकी बोहेमियन मुलाकातों का भी।

नेरुदा का मूल:

नेरुदा के चिली के दक्षिण में उनके मूल का वर्णन किया गया है, जिसमें उनकी "दक्षिण की भूमि पार्राल और तेमुको", उनके "बड़े पेड़", उनकी "प्रचंड नदियाँ" और उनकी "झीलें और शाश्वत बर्फ़ीली चोटियाँ" शामिल हैं।

यह वर्णन उस हरे-भरे परिदृश्य और शक्तिशाली प्रकृति को उद्घाटित करता है जिसने नेरुदा के बचपन और काम को चिह्नित किया।

मूर्गा का मूल:

मूर्गा के मूल का वर्णन चिली के उत्तर में, "अटाकामा, कोपियापो!" में किया गया है, जिसमें उनकी "सूखी पहाड़ियों", उनके "पुराने समय के पत्थरों से बोए गए जलमार्ग", उनका "झुलसा देने वाला सूरज" और उनके "तारों से भरे आसमान" शामिल हैं।

यह वर्णन रेगिस्तान के शुष्क परिदृश्य और कठोर प्रकृति को उद्घाटित करता है, जिसने मूर्गा के काम को भी प्रभावित किया।

चिली की धरती से जुड़ाव:

उनके अलग-अलग मूल के बावजूद, नेरुदा और मूर्गा चिली की धरती के साथ एक गहरा जुड़ाव साझा करते हैं, जो उनकी कविता में प्रकट होता है।

"पाब्लो और रोमेओ दोनों, अनंत, इस धरती के, इस धरती के लिए, तारों से जड़े चिली के" प्रेरणा के स्रोत और एकीकृत तत्व के रूप में धरती के महत्व पर प्रकाश डालता है।

मिलन के रूप में कविता:

कविता हमें दिखाती है कि कैसे कविता इन दो कवियों को, उनके अलग-अलग मूल के बावजूद, एकजुट करती है।

संक्षेप में, "पाब्लो और रोमेओ" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा और रोमेओ मूर्गा के बीच की दोस्ती का जश्न मनाती है, जो उनके मूल और चिली की धरती के साथ उनके जुड़ाव पर प्रकाश डालती है।

माँ-बेटा (Māṁ-Beṭā - Madre-hijo)

माँ, तुमने मुझे चलते हुए नहीं देखा

अल्फ्रेड आसिस नेरुदा और उनकी माँ के विचारों और काम में डूब जाते हैं...। (पाब्लो और उनकी माँ की भावना में) मुझे इतना चलना था। इतनी सारी भावनाएँ दिखानी थीं। तुम्हारे हाथ से इतने सारे रास्ते। माँ, मुझे तुम्हारी छाती की कमी खली तुम्हारे आत्मा का गीत मुझ तक नहीं पहुँचा। दिन में एक कॉल रात को मेरी बेचैनी में एक फुसफुसाहट। माँ, पूर्ण संगति, मेरे कार्यों में मदद मेरे बालों पर तुम्हारा हाथ, स्वर्ग का दुलार। "पाब्लितो!"... मैंने तुम्हें नहीं सुना। मैंने तुम्हें सुनने की कितनी चाहत की, मुझे अपने दरवाज़े से पुकारते हुए तुम्हारे सितारों जैसी आँखों से मुझे देखते हुए। माँ, तुम्हें छंद पसंद थे तुमने अपनी सुगंध मुझमें छोड़ दी। माँ, मैंने तुम्हें हमेशा अपने साथ रखा तुमने मुझमें धैर्य बोया।

***

यह काल्पनिक कविता, जिसका शीर्षक "माँ, तुमने मुझे चलते हुए नहीं देखा" है, पाब्लो नेरुदा और उनकी माँ, टेरेसा बासोआल्टो के बीच के गहरे जुड़ाव की पड़ताल करती है, उनकी अनुपस्थिति के दर्द और उनके जीवन पर उनके प्रभाव की स्वीकृति को व्यक्त करती है। अल्फ्रेड आसिस हमें पाब्लो और उनकी माँ की आत्मा

में प्रवेश कराते हैं, हमें एक ऐसा संवाद दिखाना चाहते हैं जो कवि और उनकी प्रिय माँ के बीच हो सकता था जो जल्दी ही अनंत काल में चली गईं।

माँ की अनुपस्थिति:

कविता माँ की अनुपस्थिति के लिए एक विलाप के साथ शुरू होती है, जो अपने बेटे के पहले कदम और विकास को नहीं देख पाई।

"मुझे इतना चलना था, इतनी सारी भावनाएँ दिखानी थीं, तुम्हारे हाथ से इतने सारे रास्ते" माँ के साथ जीवन साझा करने की लालसा व्यक्त करता है।

माँ की उपस्थिति की लालसा:

कविता माँ की उपस्थिति, उनके गीत, उनकी संगति और उनके दुलार की लालसा का वर्णन करती है।

"माँ, मुझे तुम्हारी छाती की कमी खली, तुम्हारे आत्मा का गीत मुझ तक नहीं पहुँचा, दिन में एक कॉल, रात को मेरी बेचैनी में एक फुसफुसाहट" दिखाता है कि कवि को माँ की कितनी कमी खलती थी।

माँ की स्मृति:

कविता माँ की स्मृति, छंदों के लिए उनके प्यार और कवि के जीवन पर उनके प्रभाव को उद्घाटित करती है।

"माँ, तुम्हें छंद पसंद थे, तुमने अपनी सुगंध मुझमें छोड़ दी, माँ, मैंने तुम्हें हमेशा अपने साथ रखा, तुमने मुझमें धैर्य बोया" मातृ विरासत पर प्रकाश डालता है।

काल्पनिक संवाद:

कविता में कवि और उनकी माँ के बीच एक काल्पनिक संवाद शामिल है, जहाँ वह उन्हें देखने और सुनने की अपनी लालसा व्यक्त करती हैं।

"पाब्लितो!... मैंने तुम्हें नहीं सुना, मैंने तुम्हें सुनने की कितनी चाहत की, मुझे अपने दरवाज़े से पुकारते हुए, तुम्हारे सितारों जैसी आँखों से मुझे देखते हुए।"

प्रभाव के रूप में माँ:

कविता माँ को नेरुदा के जीवन में एक महान प्रभाव के रूप में दिखाती है।

संक्षेप में, "माँ, तुमने मुझे चलते हुए नहीं देखा" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के अपनी माँ के प्रति गहरे प्रेम और लालसा को व्यक्त करती है, उनके जीवन और काम पर उनके प्रभाव को उजागर करती है, कुछ ऐसा जो स्वयं कवि की आवाज़ जैसा लगता है, जिसे अल्फ्रेड आसिस आध्यात्मिक रूप से पार करते हैं।

एक यात्रा (Ek Yātrā - Un viaje)

इतना छोटा-सा पाब्लो यात्रा पर जाते हैं। रास्ता, दक्षिण की ओर

वर्षा, बैलगाड़ियाँ। सीमा पार करते हुए बायो बायो, चौड़ी नदी मापुचे भूमि का मूर्त सीमांकन। फिर अराउकानिया अराउकानों का क्षेत्र अराउकारिया और पवित्र कैनेलो।

पाब्लो, प्रकृति में अपनी शुरुआत करते हैं। वह उपजाऊ बीज उठाते हैं उसे अपने हाथों में लेते हैं और अपना मुख्य कार्य अंकित करते हैं। अक्षर, और अधिक अक्षर परिदृश्य पूरा हो गया है।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "एक यात्रा" है, हमें पाब्लो नेरुदा की पहली यात्राओं पर ले जाती है, चिली के दक्षिण के साथ उनके मिलन और प्रकृति के साथ उनके जुड़ाव का वर्णन करती है।

दक्षिण की ओर यात्रा:

कविता एक युवा पाब्लो नेरुदा की चिली के दक्षिण की ओर यात्रा का वर्णन करती है, एक ऐसी यात्रा जिसने उनके जीवन और काम को गहराई से प्रभावित किया।

दक्षिणी परिदृश्य के विशिष्ट तत्वों का उल्लेख किया गया है, जैसे "वर्षा", "बैलगाड़ियाँ" और "बायो बायो, चौड़ी नदी"।

मापुचे भूमि से मिलन:

कविता नेरुदा के मापुचे भूमि के साथ मिलन पर प्रकाश डालती है, एक संस्कृति जिसने उनकी दुनिया की दृष्टि को प्रभावित किया।

मापुचे संस्कृति के लिए पवित्र तत्वों का उल्लेख किया गया है, जैसे "अराउकारिया" और "कैनेलो"।

प्रकृति के प्रति जागरण:

"पाब्लो, प्रकृति में अपनी शुरुआत करते हैं, वह उपजाऊ बीज उठाते हैं, उसे अपने हाथों में लेते हैं और अपना मुख्य कार्य अंकित करते हैं, अक्षर, और अधिक अक्षर, परिदृश्य पूरा हो गया है" हमें कविता में नेरुदा की शुरुआत दिखाता है।

कविता प्रकृति के प्रति नेरुदा के जागरण का वर्णन करती है, एक ऐसा मिलन जिसने उन्हें अपनी पहली कविताएँ लिखने के लिए प्रेरित किया।

कविता का बीज:

"उपजाऊ बीज" की छवि जिसे नेरुदा अपने हाथों में उठाते हैं, उनकी कविता की उत्पत्ति का प्रतीक है, जो पृथ्वी और प्रकृति के साथ उनके जुड़ाव से पैदा होती है।

पूर्ण परिदृश्य:

अंतिम वाक्यांश "परिदृश्य पूरा हो गया है" यह सुझाव देता है कि चिली के दक्षिण की यात्रा नेरुदा के जीवन में एक महत्वपूर्ण क्षण था, जहाँ उन्होंने अपनी काव्य आवाज़ और दुनिया में अपना स्थान पाया।

प्रेरणा के रूप में प्रकृति:

कविता हमें दिखाती है कि कैसे प्रकृति नेरुदा की मुख्य प्रेरणा थी।

संक्षेप में, "एक यात्रा" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के चिली के दक्षिण के साथ मिलन का जश्न मनाती है, उनके जीवन और काम में प्रकृति के महत्व पर प्रकाश डालती है।

मारूरी स्ट्रीट (Mārūrī Street - La calle Maruri) सैंटियागो आगमन (Saiṇṭiyāgo Āgaman – Llegada a Santiago)

मैं मारूरी से कुछ ब्लॉक पश्चिम में पैदा हुआ था, मैंने अपनी खिड़की से उन्हीं गोधूलि आकाशों का दर्शन किया, मैंने वहाँ अपना बचपन बिताया, जबकि पाब्लो पहले ही गुज़र चुके थे। पत्थर के खड़ंजे (cobblestones) वाली ग्रहणशील सड़क। ईंटें एक के ऊपर एक रखी हुई उदास कमरे। तुम अपनी ठंडी कोठरी में पहुँचे, पाब्लो तुमने सहायक वस्तुएँ, बिस्तर और एक वॉशबेसिन (lavatorio) का चित्र बनाया। पूर्व का सूरज तुम्हें सुबह देता था पश्चिम का सूर्यास्त तुम्हें सुलाता था दक्षिण की हवा तुम्हारी वर्षा लाती थी उत्तर साफ़, दक्षिण अंधेरा—निश्चित रूप से तेज़ वर्षा! सड़क पर चमक, खड़ंजे का प्रतिबिंब। खुरदरी छाल वाला बबूल (acacia) तुम्हारी पगडंडी पर हरे पत्ते तुम उसके साथ बातचीत करते थे जैसे अपने घर के आँगन में अपनी पगडंडी के पास।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "मारूरी स्ट्रीट" है, सैंटियागो में मारूरी स्ट्रीट के वातावरण को उद्घाटित करती है, एक ऐसा स्थान जिसे उन्होंने पाब्लो नेरुदा के साथ साझा किया था, कुछ

ब्लॉकों के अंतर के साथ वही मनोरम दृश्य, पश्चिम की ओर देखते हुए, और जहाँ दोनों ने महत्वपूर्ण अनुभव जिए।

मारूरी स्ट्रीट के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव:

लेखक मारूरी स्ट्रीट के साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव स्थापित करता है, यह उल्लेख करते हुए कि उनका जन्म पास में हुआ था और उन्होंने नेरुदा के समान ही गोधूलि आकाशों के दर्शन साझा किए थे।

यह लेखक और कवि के बीच एक बंधन बनाता है, और पाठक को दोनों की आँखों के माध्यम से सड़क के वातावरण की कल्पना करने की अनुमति देता है।

मारूरी स्ट्रीट का वर्णन:

कविता मारूरी स्ट्रीट का भावनात्मक विवरण के साथ वर्णन करती है, पत्थर के खड़ंजे, एक के ऊपर एक रखी ईंटें, उदास कमरे और खुरदरी छाल वाला बबूल का उल्लेख करती है।

ये विवरण सड़क की एक ज्वलंत छवि बनाते हैं, इसके शहरी वातावरण और प्रकृति के साथ इसके जुड़ाव के साथ।

सड़क पर नेरुदा की उपस्थिति:

कविता नेरुदा की उनकी ठंडी कोठरी में उपस्थिति की कल्पना करती है, सहायक वस्तुओं का चित्र बनाते हुए और सूरज और हवा के माध्यम से समय बीतने को महसूस करते हुए।

इस जगह पर नेरुदा के जीवन की सादगी को दिखाया गया है।

परिदृश्य की द्वैतता:

कविता मारूरी स्ट्रीट के परिदृश्य की द्वैतता पर प्रकाश डालती है, इसकी रोशनी और छाया, इसकी चमक और प्रतिबिंब, और इसके प्राकृतिक और शहरी तत्वों के साथ।

"उत्तर साफ़, दक्षिण अंधेरा—निश्चित रूप से तेज़ वर्षा!" जलवायु की द्वैतता को व्यक्त करता है।

गवाह के रूप में बबूल:

खुरदरी छाल वाला बबूल मारूरी स्ट्रीट पर जीवन का गवाह के रूप में प्रस्तुत होता है, एक ऐसी जगह जहाँ नेरुदा बातचीत करते थे और घर जैसा महसूस करते थे।

शहर के भीतर प्रकृति के साथ निकटता का माहौल बनता है।

संक्षेप में, "मारूरी स्ट्रीट" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के जीवन में एक प्रतीकात्मक सड़क के वातावरण को उद्घाटित करती है, जो लेखक के स्थान के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव और शहरी परिदृश्य की द्वैतता पर प्रकाश डालती है।

पाब्लो, पिता (Pābulo, Pitā - Pablo, padre)

एक बेटी, एक भावना क्या तुमने उसे अपने हाथ से ले जाने का सपना देखा था? क्या तुमने उसके रोने से जागने की कल्पना की थी? तुम्हें "पापा" कहने का क्या सौभाग्य होता उसे स्कूल ले जाना, उसके साथ लहर कूदना। छाते के नीचे, गले लगाया हुआ, सूरज में उसकी टोपी और उसकी लंबी स्कर्ट के साथ। "पापितो!"... या "पाब्लितो!" वह तुम्हें धीरे से पुकारती। वह तुम्हें मुस्कुराती और थोड़ा देखती। शायद गुलाबी चेहरे वाली शरमाई हुई उसके होंठों का गहरा लाल रंग और चमड़े के जूते...
"बेटी, बेटी! चलो हमेशा के लिए सो जाते हैं बेटी...
चलो सोते हैं..."

***

अल्फ्रेड आसिस की यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो, पिता" है, पाब्लो नेरुदा के पितृत्व पक्ष की पड़ताल करती है, यह कल्पना करते हुए कि उनकी बेटी माल्वा मरीना त्रिनिदाद रेयेस के साथ उनका रिश्ता कैसा रहा होगा, जिसकी कम उम्र में मृत्यु हो गई थी।

काल्पनिक पितृत्व:

कविता पिता के रूप में नेरुदा के सपनों और इच्छाओं के बारे में प्रश्न उठाती है, पारिवारिक जीवन के रोजमर्रा के दृश्यों की कल्पना करती है।

"क्या तुमने उसे अपने हाथ से ले जाने का सपना देखा था? क्या तुमने उसके रोने से जागने की कल्पना की थी?" हमें पितृत्व को एक सपना के रूप में दिखाता है।

पारिवारिक जीवन के दृश्य:

कविता कोमल और रोजमर्रा के दृश्यों को उद्घाटित करती है, जैसे बेटी को स्कूल ले जाना, एक साथ लहरें कूदना या उसे बारिश और धूप से बचाना।

ये छवियाँ पिता के रूप में नेरुदा के मानवीय और निकट पक्ष को उजागर करती हैं।

बेटी की छवि:

कविता बेटी का स्नेहपूर्ण विवरण के साथ वर्णन करती है, उसकी मुस्कान, उसके गुलाबी गाल, उसके गहरे लाल होंठ और उसके चमड़े के जूते का उल्लेख करती है।

ये विवरण बच्ची की एक जीवंत और प्यारी छवि बनाते हैं।

हानि का दर्द:

कविता दर्द और विदाई की अभिव्यक्ति के साथ समाप्त होती है, नेरुदा को अपनी बेटी को हमेशा के लिए सुलाने के लिए गले लगाते हुए कल्पना करती है।

"बेटी, बेटी! चलो हमेशा के लिए सो जाते हैं बेटी... चलो सोते हैं..." हानि की भावना को दर्शाता है।

नेरुदा का पितृत्व:

यह कविता, नेरुदा की बेटी को याद करने का एक सुंदर तरीका है, और उनका जीवन कैसा हो सकता था।

संक्षेप में, "पाब्लो, पिता" एक भावनात्मक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के पितृत्व पक्ष की पड़ताल करती है, यह कल्पना करती है कि उनकी बेटी के साथ उनका रिश्ता कैसा रहा होगा और उनकी हानि के दर्द को व्यक्त करती है।

संक्षिप्त सारांश (Saṁkṣipt Sārāṁś - Resumen corto)

नेरुदा: स्वप्नदृष्टा। घास के मैदानों, पहाड़ों की यात्रा करते हुए। शब्द और ब्रह्मांड की यात्रा करते हुए। अपने रास्ते में सब कुछ प्यार करते हुए। उन्होंने हवा, समुद्र तट, मछलियों को प्यार किया, लहरों, पक्षियों, समुद्रों को प्यार किया... उन्होंने जीवन के सार में साँस ली ताकि उसे अक्षरों में उतार सकें। नेरुदा अब भी जीवित हैं, उन्हें आत्मा में महसूस करो... उन्हें एक गिलास वाइन में चखो। बादलों में उनकी छवि देखो। उन्हें जंगलों में सूँघो। उन्हें रेगिस्तानों में कल्पना करो। वह हमेशा वहीं हैं, वह बने रहते हैं... हमेशा।

यह कविता, जिसका शीर्षक "संक्षिप्त सारांश" है, पाब्लो नेरुदा के सार को एक संक्षिप्त और आह्लादक संश्लेषण में पकड़ती है, जो उनकी स्वप्नदृष्टा आत्मा, प्रकृति के प्रति उनके प्रेम और उनकी स्थायी विरासत पर प्रकाश डालती है।

नेरुदा का सार:

कविता नेरुदा को एक "स्वप्नदृष्टा" के रूप में प्रस्तुत करती है, एक अथक यात्री जिसने "घास के मैदानों, पहाड़ों" की यात्रा की और "शब्द और ब्रह्मांड" की खोज की।

प्रकृति के प्रति उनके प्रेम पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें "हवा, समुद्र तट, मछलियों, लहरों, पक्षियों, समुद्रों..." जैसे तत्वों का उल्लेख है।

जीवन से जुड़ाव:

"उन्होंने जीवन के सार में साँस ली ताकि उसे अक्षरों में उतार सकें" नेरुदा की अपनी कविता के माध्यम से जीवन की सुंदरता और भावना को पकड़ने की क्षमता पर प्रकाश डालता है।

नेरुदा की स्थायी उपस्थिति:

कविता पुष्टि करती है कि "नेरुदा अब भी जीवित हैं", पाठक को उनकी उपस्थिति को आत्मा में महसूस करने, एक गिलास वाइन में चखने, बादलों में देखने, जंगलों में सूँघने और रेगिस्तानों में कल्पना करने के लिए आमंत्रित करती है। "वह हमेशा वहीं हैं, वह बने रहते हैं... हमेशा" उनकी विरासत की दृढ़ता पर ज़ोर देता है, जो समय और स्थान से परे है।

नेरुदा को महसूस करने का आमंत्रण:

कविता पाठक को इंद्रियों के माध्यम से नेरुदा की उपस्थिति का अनुभव करने, व्यक्तिगत और अंतरंग तरीके से उनकी विरासत से जुड़ने के लिए आमंत्रित करती है।

संक्षेप में, "संक्षिप्त सारांश" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के सार को एक संक्षिप्त और आह्लादक संश्लेषण में पकड़ती है, जो उनकी स्वप्नदृष्टा आत्मा, प्रकृति के प्रति उनके प्रेम और उनकी स्थायी विरासत पर प्रकाश डालती है।

पाब्लो, तुम्हारी कृतियाँ और स्थान (Pābulo, Tumhārī Kṛtiyāṁ aur Sthān - Pablo, tus obras y lugares)

घुमावदार रास्ता, पेड़ गिर गए हैं। बदल गए पत्थर रास्ते में आ गए

हैं। आकाश के बादलों ने वर्षा गिरा दी है। दक्षिण की हवा पेलिकन (pelicans) को ले आई है। कविगण तुम्हारे भाग्य को जीते हुए आते हैं। उन्होंने दुःख और विलाप इकट्ठा किए, उन्होंने चर्मपत्र (pergamino) बनाया है यहाँ तक कि पृथ्वी के भूकंपों ने भी तुम्हारे कालीनों को हिला दिया है मौजूद जहाजों के मुखौटों (mascarones) ने अपनी छाती दिखाई है तुम्हारे संग्रहित क्रिस्टलों ने तीर्थयात्रियों को प्रतिबिंबित किया है तराशी हुई लकड़ियाँ समुद्र से बाहर आ गई हैं। बगीचे के छोटे रास्तों ने तुम्हारे पदचिह्न छोड़ दिए हैं। समुद्र की मछलियाँ गंतव्य पर पहुँच गई हैं वे इस्ला नेग्रा में रुक गई हैं इसका एक कारण है यह तुम्हारी कृति के कारण है, दिव्य पाब्लो…

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "पाब्लो, तुम्हारी कृतियाँ और स्थान" है, पाब्लो नेरुदा के काम के स्थायी प्रभाव का जश्न मनाती है जो परिदृश्य और उन लोगों के जीवन पर पड़ा है जो उनसे मिलने आते हैं, खासकर इस्ला नेग्रा में।

परिदृश्य का परिवर्तन:

कविता वर्णन करती है कि कैसे इस्ला नेग्रा का परिदृश्य नेरुदा की उपस्थिति और उनके काम से बदल गया है, जिसमें गिरे हुए "पेड़", "बदल गए पत्थर" और "वर्षा गिराने वाले बादल" जैसे तत्वों का उल्लेख है।

ये तत्व इस विचार को उद्घाटित करते हैं कि नेरुदा की उपस्थिति ने जगह पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

तीर्थयात्रियों का आगमन:

"कविगण तुम्हारे भाग्य को जीते हुए आते हैं, उन्होंने दुःख और विलाप इकट्ठा किए, उन्होंने चर्मपत्र बनाया है" दिखाता है कि कैसे कवि नेरुदा के भाग्य का अनुसरण करते हुए इस्ला नेग्रा आते हैं।

कविता "कवियों" और "तीर्थयात्रियों" के इस्ला नेग्रा आने का वर्णन करती है, जो नेरुदा की आत्मा और उनके काम से जुड़ने की तलाश में हैं।

नेरुदा की कृति की उपस्थिति:

कविता इस्ला नेग्रा में नेरुदा के घर की विशिष्ट तत्वों का उल्लेख करती है, जैसे "मौजूद जहाजों के मुखौटे", "तुम्हारे संग्रहित क्रिस्टल" और "तराशी हुई लकड़ियाँ"।

ये तत्व स्थान पर नेरुदा के काम की मूर्त उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करते हैं, और कैसे लोग उससे जुड़ते हैं।

समुद्र से जुड़ाव:

कविता नेरुदा के समुद्र से जुड़ाव पर प्रकाश डालती है, जिसमें दक्षिण की हवा के साथ आने वाले "पेलिकन" और "समुद्र की मछलियाँ" जो इस्ला नेग्रा में अपने गंतव्य पर पहुँचती हैं, का उल्लेख है।

"वे इस्ला नेग्रा में रुक गई हैं, इसका एक कारण है, यह तुम्हारी कृति के कारण है, दिव्य पाब्लो..." नेरुदा के जीवन और काम में समुद्र के महत्व पर जोर देता है।

स्थायी विरासत:

कविता यह पुष्टि करते हुए समाप्त होती है कि इस्ला नेग्रा में नेरुदा की उपस्थिति "तुम्हारी कृति के कारण है, दिव्य पाब्लो...", कवि की स्थायी विरासत पर प्रकाश डालती है।

संक्षेप में, "पाब्लो, तुम्हारी कृतियाँ और स्थान" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा के काम के स्थायी प्रभाव का जश्न मनाती है जो परिदृश्य और उन लोगों के जीवन पर पड़ा है जो उनसे मिलने आते हैं, खासकर इस्ला नेग्रा में।

IN इस्ला नेग्रा में, दोस्तों के साथ (Islā Negrā meṁ, Dostoṁ ke Sāth - En Isla Negra, con amigos)

तुम्हारे वाइन के गिलास। लेबल के पार, बैंगनी गिलास भरते हुए। धूप में पकी अंगूरों की क्रीम। अपनी नाव में गिलास उठाते हुए

तुम्हारे दोस्त इकट्ठा होते हैं... पाब्लो, स्वास्थ्य! स्वास्थ्य और अक्षर, शब्द और संगीत समारोह (retretas)। सूखे कंठ। वाष्पों को मन में ले जाओ। उपस्थित लोगों को चुनौती दो, अनुपस्थित लोगों की कल्पना करो पाब्लो, उपस्थित!

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "इस्ला नेग्रा में, दोस्तों के साथ" है, हमें इस्ला नेग्रा में पाब्लो नेरुदा के घर पर एक सभा के माहौल में ले जाती है, जहाँ वाइन, कविता और दोस्ती उत्सव और सौहार्द के वातावरण में आपस में गुंथे हुए हैं।

सभा का वातावरण:

कविता एक जीवंत सभा के वातावरण को उद्घाटित करती है, जिसमें "वाइन के गिलास", "बैंगनी गिलास" और "धूप में पकी अंगूरों की क्रीम" हैं।

"नाव" की छवि एक समुद्री वातावरण और समुद्र से जुड़ाव का सुझाव देती है, जो इस्ला नेग्रा में नेरुदा के जीवन के विशिष्ट तत्व हैं।

नेरुदा को टोस्ट:

"पाब्लो, स्वास्थ्य! स्वास्थ्य और अक्षर, शब्द और संगीत समारोह, सूखे कंठ" नेरुदा को टोस्ट पर प्रकाश डालता है, उनके जीवन और काम का जश्न मनाते हुए।

"अक्षर", "शब्द" और "संगीत समारोह" (retretas) कविता और संगीत का प्रतीक हैं, जो नेरुदा के जीवन में आवश्यक तत्व थे।

नेरुदा की उपस्थिति:

"वाष्पों को मन में ले जाओ, उपस्थित लोगों को चुनौती दो, अनुपस्थित लोगों की कल्पना करो, पाब्लो, उपस्थित!" नेरुदा की उपस्थिति को सभा में, उनके शब्दों और उनकी आत्मा के माध्यम से उद्घाटित करता है।

उनकी भौतिक अनुपस्थिति के बावजूद, नेरुदा अपने दोस्तों की स्मृति और कल्पना में मौजूद हैं।

दोस्ती का जश्न:

कविता दोस्ती और सौहार्द का जश्न मनाती है, खुशी और उत्सव के क्षणों को साझा करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

वाइन और कविता दोस्ती और उपस्थित लोगों के बीच जुड़ाव के प्रतीक बन जाते हैं।

मिलन स्थल के रूप में इस्ला नेग्रा:

इस्ला नेग्रा, एक मिलन स्थल है, जहाँ नेरुदा के दोस्त उनके जीवन का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं।

संक्षेप में, "इस्ला नेग्रा में, दोस्तों के साथ" एक कविता है जो इस्ला नेग्रा में पाब्लो नेरुदा के घर पर एक सभा के वातावरण को पकड़ती है, उनके जीवन, उनके काम और दोस्ती का जश्न मनाती है।

तुम्हारी आँखें खोजती हुई (Tumhārī Āñkhēṁ Khojtī Huī - Tus ojos descubriendo)

तुम्हारी आँखें पाब्लो छाल से भी परे पृथ्वी में गहराई तक घुस

गईं। तुम्हारे पैर पाब्लो कणों से भी परे रेत पर चले। तुम्हारे हाथ पाब्लो भावनाओं से भी परे पेंसिल का इस्तेमाल करते थे। तुम्हारा प्यार पाब्लो बिना रुके तुम्हारे मन से बार-बार गुज़रा। तुम्हारी गंध पाब्लो मधुमक्खियों से भी परे फूलों को सूँघती थी। तुम्हारी उंगलियाँ पाब्लो अंगूर से भी परे गिलास को दृढ़ता से पकड़ती थीं। तुम्हारे घुटने पाब्लो तुम्हारी मृत्यु से भी परे झुके। तुम्हारी कृतियाँ पाब्लो हमेशा के लिए रह गईं।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "तुम्हारी आँखें खोजती हुई" है, पाब्लो नेरुदा की धारणा और सृजन की गहराई की पड़ताल करती है, जो वास्तविकता और मानवीय अनुभव की सीमाओं को पार करने की उनकी क्षमता पर प्रकाश डालती है।

इंद्रियों का रूपक:

कविता इंद्रियों का उपयोग नेरुदा की स्पष्ट से परे जाने की क्षमता का वर्णन करने के लिए रूपकों के रूप में करती है। "तुम्हारी आँखें पाब्लो छाल से भी परे पृथ्वी में गहराई तक घुस गईं। तुम्हारे पैर, पाब्लो कणों से भी परे रेत पर चले" सतही से

परे देखने और महसूस करने की नेरुदा की क्षमता को दिखाता है।

अनुभव की श्रेष्ठता:

कविता सुझाव देती है कि नेरुदा ने मानवीय अनुभव की सीमाओं को पार किया, पृथ्वी की गहराई, रेत, भावनाओं, प्यार, सुगंधों, स्वादों और मृत्यु की खोज की।

"तुम्हारा प्यार, पाब्लो बिना रुके तुम्हारे मन से बार-बार गुज़रा। तुम्हारी गंध, पाब्लो मधुमक्खियों से भी परे फूलों को सूँघती थी" दिखाता है कि कैसे नेरुदा ने भावनाओं और इंद्रियों को पार किया।

काम की स्थायीता:

"तुम्हारी कृतियाँ पाब्लो हमेशा के लिए रह गईं" नेरुदा की स्थायी विरासत पर प्रकाश डालता है, जो उनके जीवन और उनकी मृत्यु से परे है।

अन्वेषण के रूप में कविता:

कविता नेरुदा की कविता को अन्वेषण के एक रूप के रूप में प्रस्तुत करती है, इंद्रियों और भावनाओं के माध्यम से एक यात्रा जो वास्तविकता की सीमाओं से परे जाती है।

शाश्वत नेरुदा:

कविता हमें नेरुदा को एक ऐसे अस्तित्व के रूप में दिखाती है जो मृत्यु से परे है।

संक्षेप में, "तुम्हारी आँखें खोजती हुई" एक कविता है जो पाब्लो नेरुदा की अपनी कविता के माध्यम से वास्तविकता और मानवीय अनुभव की सीमाओं को पार करने की क्षमता का जश्न मनाती है, जो एक स्थायी विरासत छोड़ती है।

किसी ने पूछा: (Kisī ne Pūchā: - Alguien preguntó:)

किसी ने पूछा:

पाब्लो ने क्या कहा?
पाब्लो ने क्या किया?
पाब्लो का जन्म कहाँ हुआ?
पाब्लो कौन थे?
पाब्लो ने क्या लिखा?
पाब्लो की मृत्यु कहाँ हुई?
पाब्लो ने किसे प्यार किया?
पाब्लो के कौन दोस्त थे?
पाब्लो कहाँ रहते थे?
क्या पाब्लो ने दुख सहा?
क्या पाब्लो खुश थे?
क्या पाब्लो रोए?
तब मैंने उत्तर दिया: तारों और चाँद को देखो उनमें तुम्हें हर जवाब मिलेगा...

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "किसी ने पूछा:" है, पाब्लो नेरुदा के जीवन और काम के बारे में सवालों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करती है, और एक काव्य उत्तर देती है जो चिंतन और ब्रह्मांड के साथ जुड़ाव के लिए आमंत्रित करता है।

सवालों की श्रृंखला:

कविता उन सवालों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करती है जो नेरुदा के जीवन के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हैं: उनका जन्म, उनका काम, उनके प्रेम, उनके दोस्त, उनके अनुभव और उनकी मृत्यु।

ये सवाल उस जिज्ञासा और रुचि को दर्शाते हैं जो नेरुदा अपने पाठकों में जगाना जारी रखते हैं।

काव्य उत्तर:

सीधे उत्तर देने के बजाय, कविता "तारों और चाँद" को देखने के लिए आमंत्रित करती है, यह सुझाव देते हुए कि उनमें सभी सवालों के जवाब छिपे हैं।

यह काव्य उत्तर चिंतन और ब्रह्मांड की विशालता में अर्थ की खोज के लिए आमंत्रित करता है।

ब्रह्मांड से जुड़ाव:

कविता सुझाव देती है कि नेरुदा का जीवन और काम ब्रह्मांड से जुड़े हुए हैं, और उन्हें समझने के लिए स्पष्ट से परे देखना आवश्यक है।

प्रकृति और ब्रह्मांड नेरुदा की कविता में महत्वपूर्ण तत्व हैं।

चिंतन का आमंत्रण:

कविता पाठक को चिंतन और ब्रह्मांड की सुंदरता और रहस्य में जवाब खोजने के लिए आमंत्रित करती है।

कविता नेरुदा को उनकी कविता और प्रकृति के माध्यम से जानने का एक आमंत्रण है।

संक्षेप में, "किसी ने पूछा:" एक कविता है जो हमें पाब्लो नेरुदा के जीवन और काम पर विचार करने के लिए आमंत्रित करती है, यह सुझाव देती है कि हमारे सवालों के जवाब ब्रह्मांड के चिंतन में पाए जाते हैं।

इस्ला नेग्रा में पाब्लो, आँसू और संवेदनाओं का कारखाना

(Islā Negrā meṁ Pābulo,

Āṁsū aur Saṁvedanāoṁ kā Kārakhānā –

Pablo en Isla Negra, fábrica de lágrimas y sensaciones)

जो लोग इस्ला नेग्रा आते हैं वे पत्थरों में अंतर्विष्ट तुम्हारी आत्मा को खोजते हैं। आकाश में अक्षरों से ढँके हुए। समुद्र की नम हवाओं से दुलारे हुए। यहाँ तक कि एक छोटे पक्षी की चहचहाहट में भी जब वे जाते हैं, तो वे वापस आना चाहते हैं। शायद, वे तुम्हारे बगीचे को छोड़ना नहीं चाहते और दृश्यों को बार-बार देखते हैं ताकि उन्हें अपनी आत्माओं में अंकित कर सकें। जब वे घर लौटते हैं भले ही दूरियाँ हजारों किलोमीटर क्यों न हों वे चीड़ के पेड़ों की सुगंध महसूस करेंगे और लहरों की दहाड़। वे तुम्हारे उपजाऊ पदचिह्नों को खोजना जारी रखेंगे। क्योंकि उन्होंने अपनी आत्माएँ छोड़ दी हैं तुम्हारा साथ देने के लिए, तुम्हारे कामों का जादू पढ़ना जारी रखने के लिए... इस्ला नेग्रा आत्माओं से भरी हुई है।

***

यह कविता, जिसका शीर्षक "इस्ला नेग्रा में पाब्लो, आँसू और संवेदनाओं का कारखाना" है, इस्ला नेग्रा आने और उस जगह पर पाब्लो नेरुदा की स्थायी उपस्थिति को महसूस करने के अनुभव के सार को पकड़ती है।

नेरुदा की आत्मा की उपस्थिति:

कविता वर्णन करती है कि कैसे इस्ला नेग्रा के आगंतुक नेरुदा की आत्मा को "पत्थरों में अंतर्विष्ट", "आकाश में अक्षरों से ढँके हुए" और "समुद्र की नम हवाओं से दुलारे हुए" पाते हैं।

यह इस विचार पर जोर देता है कि नेरुदा इस्ला नेग्रा के हर कोने में मौजूद हैं, अपनी आत्मा से जगह को सराबोर करते हुए।

भावनात्मक जुड़ाव:

कविता उस भावनात्मक जुड़ाव को उद्घाटित करती है जो आगंतुक नेरुदा और उनके काम के साथ महसूस करते हैं, यह वर्णन करते हुए कि वे जगह के प्रति कैसे आकर्षित होते हैं और कैसे रुकना चाहते हैं।

"जब वे जाते हैं, तो वे वापस आना चाहते हैं, शायद, वे तुम्हारे बगीचे को छोड़ना नहीं चाहते और दृश्यों को बार-बार देखते हैं ताकि उन्हें अपनी आत्माओं में अंकित कर सकें।" हमें उस जुड़ाव को दिखाता है जो बनता है।

अनुभव की दृढ़ता:

कविता वर्णन करती है कि इस्ला नेग्रा आने का अनुभव आगंतुकों की स्मृति में कैसे बना रहता है, जो घर लौटने के बाद भी चीड़ के पेड़ों की सुगंध और लहरों की दहाड़ महसूस करते रहते हैं।

"जब वे घर लौटते हैं भले ही दूरियाँ हजारों किलोमीटर क्यों न हों वे चीड़ के पेड़ों की सुगंध महसूस करेंगे और लहरों की दहाड़।" दिखाता है कि इस्ला नेग्रा आगंतुकों पर कैसे एक छाप छोड़ता है।

नेरुदा की विरासत:

कविता नेरुदा की स्थायी विरासत पर प्रकाश डालती है, यह पुष्टि करते हुए कि उनके "उपजाऊ पदचिह्न" आगंतुकों द्वारा खोजे जाते रहते हैं।

"क्योंकि उन्होंने अपनी आत्माएँ छोड़ दी हैं तुम्हारा साथ देने के लिए, तुम्हारे कामों का जादू पढ़ना जारी रखने के लिए..." हमें दिखाता है कि कैसे आगंतुक नेरुदा की विरासत में शामिल हो जाते हैं।

आध्यात्मिक स्थान के रूप में इस्ला नेग्रा:

- कविता यह पुष्टि करते हुए समाप्त होती है कि "इस्ला नेग्रा आत्माओं से भरी हुई है", यह सुझाव देती है कि जगह

नेरुदा की उपस्थिति और उन लोगों की भावनाओं से भरी हुई है जो उनसे मिलने आते हैं।

संक्षेप में, "इस्ला नेग्रा में पाब्लो, आँसू और संवेदनाओं का कारखाना" एक कविता है जो इस्ला नेग्रा आने और उस जगह पर पाब्लो नेरुदा की स्थायी उपस्थिति को महसूस करने के अनुभव का जश्न मनाती है, जो कवि और उनके प्रशंसकों के बीच स्थापित भावनात्मक जुड़ाव पर प्रकाश डालती है।

Libros de Alfred Asís

“Encuentro con Pablo Neruda”
“Fábrica de letras del alma”
“Cien cielos de Isla Negra”
“Poesía sensible y un cuento de gatos”
“El bosque en peligro”
“Hijos benditos”
“Chile Brasil Irmãs Poetas”
“Chile hecho Poesía”
¿Por qué Padre?
"Sensibilidades"
“Muchas cosas del alma”
"A mi tierra"
"Marcha por la paz"
“Dueto maravilloso”
Con Sandra Galante de Brasil
“Almas desnudas, cuerpos ardientes”
con Astrid Sofía de Colombia
“Amor desde el alma”
Con Rossibel Ipanaqué de Perú
“Mensajes y poesía”
“Amor puro, puro amor"
"Mi paso por la patagonia chilena"
“Cosecha de Isla Negra”
“Gatos rescatados”
“Encuentro con Rapa Nui”

“Poesía y relato”
“Deseos ardientes”
"Gráfica poética I"
"Gráfica poética II"
"Gráfica poética III"
"Encuentro con César Vallejo"
"Del alma y de la tierra"
"Títulos sugeridos" Sugeridos por poetas
"Epígrafes, frases y otros"
sugeridos por poetas
“Encuentro con Pablo Neruda, español-portugués”
“Puro amor, amor puro”
“Filosofía simple”
“Filosofando con las aves de Isla Negra”
“Espíritu de Isla Negra”
“Comportamientos”
“De mar a cordillera” con Yaky García
“Poesía a dos versos”
“Palabras Del alma”
“Cartas de amor”
“Primavera en tus ojos”
“Cuentitos reales de gatitos de Isla Negra”
“Reflexionando”
“La historia de Camil”
“Buenas enseñanzas y picardías”
“Mensajes”

“Rapa Nui”
“Rumbo a la incierto”
“Extinción o realidad”
“La historia del Michu”
“Un cuento de gatos”
“Peligro en el altiplano”
“Hamed”
“¿Qué?”
“Sueños intactos”
“Entre conciencia y alma”
“Alma de Chile”
“Homenaje a César Vallejo”
“Asís y Neruda”

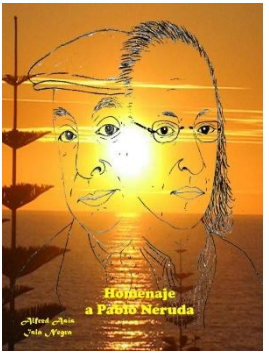

"पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि"
(Homage to Pablo Neruda)
ऑडियो-वीडियो और पाठ
(Audio-Video aur Pāṭh - Audio-video y texto):
स्पेनिश, चीनी, अंग्रेजी,
पुर्तगाली, स्वीडिश, फ्रेंच, जर्मन और इतालवी।
(Spēniś, Cīnī, Iṅgliś, Purtugālī, Svīḍiś, Phreṁc, Jarman aur Itālī)

अल्फ्रेड आसिस के नाम पर पंजीकृत,
पंजीकृत छद्म नाम, साहित्यिक कृति (पुस्तक) का स्वामित्व
जिसका शीर्षक है: "पाब्लो नेरुदा को श्रद्धांजलि"
(HOMENAJE A PABLO NERUDA)।
संख्या (Saṅkhyā - Número): $2025-A-5202$

अल्फ्रेड आसिस, पंजीकृत छद्म नाम, ने पंजीकरण के लिए अनुरोध किया। कानूनी जमा किया गया और संबंधित शुल्क का भुगतान किया गया।

****

दुनिया के कवि, लेखक और बच्चे (Duniyā ke Kavi, Lekhak aur Bacce - Poetas, Escritores y Niños del Mundo)
मुफ्त पहुँच और मुद्रण के लिए (Muft Pahum̃c aur Mudraṇ ke Lie - Libre acceso y para imprimir):

http://alfredasis.cl/index_convocando.htm
Antologías-recopilaciones

"UN POEMA A PABLO NERUDA"
"MIL POEMAS A PABLO NERUDA"
"MIL POEMAS A CÉSAR VALLEJO"
"MIL POEMAS A MIGUEL HERNÁNDEZ"
"MIL POEMAS A JOSÉ MARTÍ"
"MIL POEMAS A ÓSCAR ALFARO"
"MIL POEMAS A SOR TERESA DE CALCUTA"
"A GABRIEL GARCÍA MÁRQUEZ"
"HOMENAJE A JOSÉ MARÍA ARGUEDAS"
"I SEMILLERO VALLEJIANO"
"II SEMILLERO VALLEJIANO"
"Los niños de la Escuela Poeta Neruda de Isla Negra"
"HOMENAJE A VINICIUS DE MORAES"

"CENTENARIO DE NICANOR PARRA"
"HOMENAJE A CÉSAR ALVA LESCANO"
"HOMENAJE A LA MUJER DE BOLIVIA"
"¿POR QUÉ, MÉXICO" A LOS DE AYOTZINAPA
"HOMENAJE A ANA FRANK"
"HOMENAJE A MARA L. GARCÍA"
"HOMENAJE A LUIS WEINSTEIN"
"Epígrafes"
"Títulos sugeridos"
"Homenaje a Túpac Amaru"
"Homenaje a las voces celestiales"
"Homenaje a Alfonsina Storni"
"Homenaje a Federico García Lorca"
"Gatos poetas"
"Homenaje a Antonio Machado"
"Gabriela Mistral del Valle natural"
"Identidad de los pueblos"
"Homenaje a Martin Luther King"
"Homenaje José Carlos Mariátegui"
"Sociedades enfermas"
"Homenaje a Jorge Luis Borges"
"Homenaje a Víctor Jara"
"A los niños de Siria"
"Homenaje a Mario Benedetti"
"El agua de vida"
"Poetas y niños en navidad"
"Todos somos África"

"Cartas a Donald Trump"
"Homenaje a Miguel de Unamuno"
"Homenaje a Rubén Darío"
"Homenaje a Ángel Parra"
"III Semillero vallejiano"
"Homenaje a Diana de Gales"
"Pachacútec y Atahualpa"
"103 Años de Nicanor Parra"
"I SEMILLERO MISTRALIANO"
"Homenaje a Ciro Alegría"
"Homenaje a Benito Juárez"
"Homenaje a Poli Délano"
"Niños de México y Sor Teresa de Calcuta"
"Un borde azul para Bolivia"
"Centenario de Violeta Parra"
"Mil almas, mil obras"
"Homenaje a Danilo Sánchez Lihón
"Reflexiones"
"Positivo"
"VersAsís"
"Alerta niños y padres del mundo"
"A Miguel de Cervantes Saavedra"
"Homenaje a Thiago de Mello"
"Homenaje a Luis Yáñez Pacheco"
"Susurros al oído"
"Décimas y otras letras a la paz"
"Gracias a la vida" (MOMENTOS)

"Centenario de César Alva Lescano"
"Insólita esperanza" LA PAZ EN COREA
"Homenaje cascos blancos de Siria"
"Sonetos y otras letras"
"IV Semillero Vallejiano"
"Family"
"Eros-Ticum"
"Niños de paz y humanidad"
"Homenaje a Charles Baudelaire"
Homenaje a “Cantinflas”
"Aborto"
"Nicaragua Detente"
"Los nuestros"
"Paz y felicidad de la humanidad"
"Detrás de la puerta"
“Sociedades”
"Al Padre Víctor Hugo Tumba Ortiz"
"Todos somos culpables"
"De la tierra al cielo"
"Los poetas en navidad"
"Buenos deseos para el 2019"
¿Qué pasa contigo Venezuela?
"Color de piel"
“ Bendita naturaleza”
"Amor y semejanza
Concurso, creación "VersAsís"
VersAsís de Myriam Rosa Méndes de Cuba

VersAsís de Ana María Galván Rocha
Juan Fran Núñez Parreño miles de poemas
Magali Aguilar Solorza miles de poemas
Hanna Barco miles de poemas
Elías Antonio Almada miles de poemas
José Martínez Alderete miles de poemas
Varenka de Fátima miles de poemas
José Santiago miles de poemas
Elisa Barth miles de poemas
Fidel Alcántara Lévano miles de poemas
"VersAsís a personajes"
"Los niños de Cali-Colombia"
"Homenaje al día de la tierra"
"Amor de mar a cordillera"
Memorial de Isla Negra "Danilo Sánchez Lihón"
René Arturo Cruz-Mayorga miles de poemas
Ximena Sánchez, Santiago de Chuco
"V Semillero Vallejiano"
Foncho Ferrando miles de poemas
Ricci Keun miles de poemas
Maura Sánchez miles de poema
Homenaje al natalicio 115 de Pablo Neruda
Homenaje a los 100 años de Los Heraldos Negros de César Vallejo
Homenaje Desde Isla Negra Al Oriente
Mujer Versus Hombres
Semillero mundial de los niños (Niños del mundo)

Los niños del frío y el hambre
Desde Isla Negra al Oriente (Poetas de Oriente)
II Semillero Mistraliano (Niños de Chile)
http://alfredasis.cl/ASIS_AMAZONAS.pdf
Jairo Dealba "VersAsís"
Homenaje al aniversario de la muerte de Neruda
Homenaje a Víctor Paz Estenssoro
Homenaje a la "COP25" Poetas y niños del mundo
Bringham Young University Taller VersAsís de Mara L. García
La alegría debe llegar, América convulsionada
VI Semillero Vallejiano
Medio ambiente-cambio climático. Litoral de los poetas
Desde Cuba a José Martí
Tres días de duelo a César Alva Lescano
Habla el alma 2020
Homenaje a Germán Patrón Candela
Pueblos ancestrales
César Alva Lescano, miles de poemas
Juanita Conejero, miles de poemas
Eric Cobas, miles de poemas
Escuela 80520 niños de Santiago de Chuco
Escuela 80521 niños de Santiago de Chuco
Escuela 80522 niños de Santiago de Chuco
Escuela 80523 niños de Santiago de Chuco
Colegio César Vallejo niños de Santiago de Chuco
Colegio Idelfonso

Colegio Karl Weiss
Colegio Virgen de la puerta, Salaverry
Colegio Ciencias Integradas, Salaverry
Colegio: I. E. Eduvigis Noriega de Lafora N° 35 Guadalupe
I.E. José Carlos Mora Ortiz, Limoncarro-Guadalupe
Corporación de Educación Popular, Trujillo
Colegio: I.E.P Louis Pasteur, Laredo
Escuela Alto Trujillo
I. E. Daniel Becerra Ocampo, Moquegua
Colegio Belen
Colegio matemático católico
Universidad María Auxiliadora
Colegio: I.E. Inmaculada Concepción-Tumbes
Súper luna en el año bisiesto 2020
Día del amor y la amistad 2020
Mil frases del mundo
Homenaje a la mujer 2020
"Semejantistas" 2020
Homenaje a médicos y enfermeros COVID-19
Homenaje a "Marco Martos Carrera"
Homenaje a "Fidel Alcántara Lévano"
Homenaje a José Luis Castro de El Cusco
Homenaje a las trece rosas
Hambre en pandemia
Homenaje a Malala Yousafzai
Homenaje a Ernesto Kahan

Esperanza viva
Homenaje a René Aguilera Fierro
Espíritus de Antonio Huillca Huallpa y Túpac Amaru
www.alfredasis.cl/ASIS-ALMA-ISLANEGRA.pdf
Alma de Rapa Nui
"Premio Alfred Asís 2020" Irene Fernández
Homenaje a Jorge Aliaga Cacho
Alma de Santiago de Chuco,
Capulí, Vallejo y su tierra,
Poetas del mundo Isla Negra
Homenaje a Tania Castro González de El Cusco
Semillero mundial de los niños **2021**
Homenaje a Leoncio Bueno

Homenaje a Víctor José la Chira
Homenaje a Octavio Paz
Homenaje a los poetas y escritores de Brasil
Homenaje a los poetas y escritores de Argentina
Homenaje a los poetas y escritores de España

Homenaje a los poetas y escritores de México

Los poetas y escritores en pandemia
Semejantistas con más de dos mil poemas virtuales
Isla Negra virtual 2021
La Paz y no la guerra
con el Círculo Universal

de Embajadores de la paz
Francia-Suiza
Vallejianos, revista del norte, Trujillo-Perú
Semillero San miguelino El Callao Perú
Semillero mundial 2022
Homenaje a Lionel Messi
Homenaje a Lucy Carlosama
Premio Alfred Asís 2022 Aurora Mendiberry
Congreso Georgette de Vallejo
Cien poemas a Neruda
Homenaje a Rafael Cadenas
Semana Nerudiana 2023
VersAsís a Neruda 50 años 2023
Homenaje a Narges Mohammadi, premio Nobel de la paz 2023
Escuela Literaria Municipal Alfonsina
Escuela Literaria Municipal Alfonsina-2
Semillero de los niños de Panamá
Semillero de los niños de Chimbarongo
Semillero de los niños de Brasil
Embajadores Círculo Universal de la paz por Israel-Líbano
Dos Círculos rojos
Escudos de México
Mujeres de octubre
Homenaje a Ricardo Ferrando Keun
Pintores 2023
II Congreso Georgette Philippart, Aula Capulí

Homenaje a Vincent Van Gogh
Sublimes creaciones 2024
Semillero de Quiruvilca
Primavera 2024

Poetas de paz 2024
Semillero de los niños y adolescentes por la paz
Homenaje a Pepe Mujica de Uruguay
Homenaje a María Edwards McClure
Semillero mundial 2024
Año de la paz 2025-1
Año de la paz 2025-2
Año de la paz 2025-3
Premio edición: Gabriela Barraza
Homenaje a Carlos Augusto Salaverry

कविता रूप "वर्सआसिस" की विशेषताएँ

(Kavitā rūp "VersAsís" kī viśeṣtāẽ)
(Características de la forma poética "VersAsís")

"वर्सआसिस" ("VersAsís") एक काव्य रूप है। इस लेखन शैली की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

संरचना (Sanracnā - Estructura):

साहित्य के नए रूपों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण विकास "वर्सआसिस" है, जो आठ पंक्तियों वाली एक रचना है जिसमें शब्दों का क्रम दो से चार शब्दों से शुरू होता है, फिर चार पर जारी रहता है, और दो पर समाप्त होता है, जिसमें किसी अवधारणा या शीर्षक को विकसित करना संभव है। विश्वव्यापी अवधारणा वाली मुख्य पुस्तक में एक हजार वर्सआसिस थे, और संकलनों में भी उसी पर लिखना जारी रहा, जिसके कारण मैंने ब्राजील के लेखक जोस हिल्टन रोजा और क्यूबा के एरिक कोबास को उनके काम के लिए पुरस्कार दिए, साथ ही 15 अन्य को भी उनकी अपनी वर्सआसिस पुस्तक (जिसमें उनकी 50 रचनाएँ थीं) के साथ सम्मानित किया। ये सभी मेरे पेज पर प्रकाशित हैं।

इनमें छोटी कविताएँ होती हैं जिनमें प्रत्येक में चार पंक्तियों के दो पद होते हैं।

पंक्तियों को एक ताल पैटर्न का पालन करना चाहिए, चाहे वह स्वर-ताल (assonance) हो या व्यंजन-ताल (consonance)।

उद्देश्य (Uddeśya - Propósito):

"वर्सआसिस" का लक्ष्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों, घटनाओं या अवधारणाओं पर विचारों और प्रतिबिंबों को केंद्रित करना है।

वे विचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, शब्दों के साथ खेलने और गहरे अर्थ खोजने के लिए आमंत्रित करते हैं।

विषय वस्तु (Viṣay Vastu - Temática):

विषय वस्तु स्वतंत्र है, जो विभिन्न विषयों और दृष्टिकोणों को संबोधित करने की अनुमति देती है।

विषय वस्तु गहन होनी चाहिए, और विचार यह है कि इसका एक नया साहित्यिक रूप हो।

पहुँच (Pahuñc - Accesibilidad):

अपनी परिभाषित संरचना के बावजूद, "वर्सआसिस" को बच्चों और वयस्कों सहित सभी उम्र के लोगों के लिए सुलभ बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विचार यह है कि संरचना में अधिक बाधाएँ न हों, ताकि कोई भी व्यक्ति उन्हें बना सके।

संक्षेप में, "वर्सआसिस" एक काव्य रूप है जो सटीक संरचना को रचनात्मक स्वतंत्रता के साथ जोड़ता है, और भाषा के साथ प्रतिबिंब और खेलने के लिए आमंत्रित करता है।

एक हजार "वर्सआसिस" की पुस्तक (Ek Hazār "VersAsís" kī Pustak - Libro de los mil “VersAsís”)

यह शीर्षक "मिल वर्सआसिस" नामक आपकी प्रसिद्ध कृति को संदर्भित करता है, जिसमें आपने स्वयं द्वारा बनाई गई काव्य शैली (VersAsís) का उपयोग करते हुए एक हजार रचनाएँ संकलित की हैं।

यह अभिव्यक्ति हिंदी में सबसे सीधे और औपचारिक तरीके से अनुवादित की गई है।

Mil VersAsís 2022

Premios edición de “VersAsís”

50 "VersAsís" Ana María Galván Rocha

50 "VersAsís" Mara L. García
50 "VersAsís" Justo A. Pérez Betancourt
50 "VersAsís" Elisa Barth
50 "VersAsís" Damaris Marrero Lupo
50 "VersAsís" Maura Sánchez Benites
50 "VersAsís" José Hilton Rosa
50 "VersAsís" Fidel Alcántara Lévano
50 "VersAsís" Conceição Maciel
50 "VersAsís" Ernestina Lumher
50 "VersAsís" Magali Aguilar Solorza
50 "VersAsís" Ernesto R. del Valle
50 “VersAsís” Paulo Vasconcellos
50 “VersAsís” Rossibel Ipanaqué Madrid
50 “VersAsís” Roselena de Fátima Nunes F.

अल्फ्रेड आसिस पुरस्कार 2021 (Alfred Asís Puraskār 2021 - Premio Alfred Asís 2021)

दुनिया के स्कूली बच्चों की वैश्विक नर्सरी। 18 पुरस्कृत छात्र: (Duniyā ke Skūlī Baccoṁ kī Vaiśvik Narsarī. 18 Puraskṛt Chātra: - Semillero mundial de los niños alumnos del mundo. 18 alumnos premiados:)

1 DE 18 - Premio 2021 edición a
Cícero Livino da Silva Neto
Brasil

2 DE 18 - Premio 2021 edición a
Pablo Esteban Campos Mena
Perú

3 DE 18 - Premio 2021 edición a
Sofía Andrade
Panamá

4 DE 18 – Premio 2021 edición a
Adriana Sáez Rivera
Panamá

5 DE 18 – Premio 2021 edición a
Liliana González
México

6 DE 18 – Premio 2021 edición a
Sabrina León
México

7 DE 18 – Premio 2021 edición a
Mayra Ayelén Jiménez
Argentina

8 DE 18 – Premio edición

Gabriela Barraza

Chile

Otros Premios

Alejandro Fernández Holguín
Viaje a Cusco
Visita distinguida de El Cusco
Cajamarca-Perú

Stephany Alcántara Tello
Cajamarca-Perú
Premio Gabriela Mistral
Obras completas
Cajamarca-Perú

Miriam Curo Zapana
Moquegua-Perú
Obra José Carlos Mariátegui

Matilda Herrera
Caldera-Chile
Mil poemas a la paz

Premios ediciones niños del mundo

Francisca González, Chile
En espera de archivo

Alumnos de Panamá
En espera de archivos

Alumno de Perú
En espera de archivo

Aurora Mendiberry, Argentina

Irene Fernández, Asturias-España

केवल महान आत्माएँ (Keval Mahān Ātmāẽ - Solamente los grandes de espíritu)

केवल महान आत्मा वाले और दयालु हृदय वाले लोग चीज़ों को दिल से महसूस करते हैं,

देखते हैं और करते हैं,

न कि दायित्व से या अपनी इच्छा के विपरीत बाहरी प्रभावों से।

Alfred Asís

Han destrozado el mundo que se encuentra al borde del colapso.

Han ensuciado y cambiado los acuerdos de la creación.

La convivencia pacífica, la agresión es parte
de un sistema personal y autoritario.
Las arcas fiscales, que han sido un patrón de
"servirse" de todo lo que esté a mano.
El entendimiento, ya no es tal, se vocifera
ante cualquier tema que no le agrade a otros.
El diálogo civilizado, no hay razonamiento
cada uno ve, siente y se expresa a su manera.
La palabra, se ha tergiversado, han cambiado
la originalidad del dialecto y su simple comprensión.
La paz, la han transformado en guerra, en ataques
a pueblos y a individuos, la cuestión es vender
más armas y apoderarse de los más débiles.
La naturaleza, la han ensuciado, han derramado
elementos que matan, la han depredado y quemado.
Los animales, los han encerrado, cazado y les han
infringido sufrimientos a los cuales no tienen escapatoria.
El mar, lo han depredado, capturado indiscriminadamente
a los peces, las ballenas y ensuciado sus aguas con
elementos químicos, plásticos y basura.
Los cuerpos, los cambian, les ponen aditivos, los ensucian
para tratar de cambiar lo que la creación les dio.
El "todos" que ha sido universal, lo han desarticulado
y desarmado a gusto y placer, tratando de imponerlo
a todos los que lo acepten.

Alfred Asís

Traducción:
Bella Clara Ventura

They have destroyed the world that is on the brink of collapse.
They have stained and changed the agreements of creation.

Peaceful coexistence, aggression is part
of a personal and authoritarian system.
The fiscal resources, which have been a pattern of
"use" of everything that is at their hands.
The understanding, it is no longer such, it shouts
before any subject that does not agree with others.
Civilized dialogue, no reasoning
each one sees, feels and expresses himself in his own way.
The word, has been misrepresented, they have changed
the originality of the dialect and its simple understanding.
Peace, they transformed into war, into attacks
to peoples and individuals, the question is to sell
more weapons and grasp the weakest.
Nature, they have dirty it, they have spilled
elements that kill, they have depredated and burned it.
Animals, have been locked up, hunted, and
inflicted suffering from which they have no escape.
The sea, they have depredated it, captured indiscriminately
the fish, the whales and polluted its waters with
chemical elements, plastics and garbage.
The bodies, they change them, they put additives on them,
they dirty them to try to change
what creation gave them.
The "everyone" that has been universal, has been dismantled
and disarmed at ease and pleasure,
trying to impose it to all who accept it.

Alfred Asís

Traducción:
Bella Clara Ventura

Ils ont détruit le monde qui est au bord de l'écroulement.
Ils ont souillé et changé les accords de la création.

Coexistence pacifique, l'agression fait partie
d'un système personnel et autoritaire.
Les caisses budgétaires, qui ont été un modèle d'
"utiliser" tout ce qui est à portée de main.
L'entendement, n´est plus le même, ça hurle
face à tout sujet que les autres n'apprécient pas.
Le dialogue civilisé, plus de raisonnement.
Chacun y voit, ressent et s'exprime à sa façon.
Le mot, a été troqué, il a changé
l'originalité du dialecte et sa simple compréhension.
La paix s'est transformée en guerre, en attentats
contre les peuples et les individus, il s'agit de vendre
davantage d'armes et de s'emparer des plus faibles.
La nature, ils l'ont salie, ils y ont renversé
des éléments qui l'ont tuée, ils l'ont négligée et l'ont brûlée.
Les animaux ont été enfermés, chassés et soumis à des
souffrances, sans la moindre échappatoire.
La mer, ils l'ont dépravée, ils ont capturé sans discernement
poissons et baleines et ils ont pollué les eaux avec
des éléments chimiques, des plastiques et des déchets.
Les corps, ils les changent, ils y mettent des additifs, ils les salissent
afin de tenter de bouleverser ce que la création leur a donné.
Le "tout le monde" qui a été universel, fut démantelé
et désarmé à l'aise et au plaisir, pour essayer de l'imposer
à tous ceux qui l'acceptent.

Hanno distrutto il mondo che è sull'orlo del collasso.
Hanno sporcato e cambiato gli accordi della creazione.

Traducción:
Elisa Mascia

La convivenza pacifica, l'aggressività
fa parte di un sistema personale e autoritario.
Le casse tributarie, che sono state un modello per
"servire" tutto ciò che è a portata di mano.
L'intesa non è più tale, è divulgata prima di qualsiasi tema
che non piaccia agli altri.
Il dialogo civile, non c'è ragionamento, ognuno vede,
sente e si esprime a modo suo.
La parola è stata distorta, l'originalità del dialetto
e la sua semplice comprensione sono cambiate.
La pace l'hanno trasformata in guerra, in attacchi a popoli e individui,
la questione è vendere più armi e sequestrare i più deboli.
La natura, l'hanno sporcata, hanno sparso elementi che uccidono,
l'hanno depredata e bruciata.
Gli animali sono stati rinchiusi, cacciati e gli hanno inflitto
sofferenze alle quali non hanno scampo.
Il mare è stato depredato, catturando indiscriminatamente pesci e balene
e sporcando le sue acque con sostanze chimiche, plastica e immondizia.
I corpi, li modificano, li addizionano, li sporcano per provare
a cambiare ciò che la creazione ha dato loro.
Il "tutti" che è stato universale è stato disarticolato e disarmato
a propria volontà e piacere, cercando di imporlo a tutti coloro che lo accettano.

Alfred Asís

Traducción por Malu Otero

Devastaram o mundo que se encontra à beira do colapso.
Conspurcaram e transformaram os pactos da criação.

A convivência pacífica: a agressão é parte de um sistema pessoal e autoritário.
Os cofres fiscais, que tem havido um padrão de "servir-se" de tudo o que está ao alcance.
O entendimento, já não é tal qual; se vocifera ante qualquer tema que não agrade aos outros.
O diálogo civilizado, não há arrazoado, cada um vê, sente e se expressa à sua maneira.
A palavra, tem sido alterada, mudaram a originalidade do dialeto e a sua simples compreensão.
A paz foi transformada em guerra, em ataques aos povos e aos indivíduos,
a questão é vender mais armas e apoderar-se dos mais fracos.
A natureza foi poluída, derramaram elementos que matam, foi depredada e queimada.
Os animais foram aprisionados, caçados e foram infringidos sofrimentos
dos quais não tinham como escapar.
O mar foi depredado, os peixes e as baleias foram capturados indiscriminadamente
e sujaram as águas com elementos químicos, plásticos e lixo.
Os corpos foram mudados por ação dos aditivos químicos, são alterados para mudar
o que foi dado pela criação original.
O "TODOS", que tem sido universal, foi desarticulado e desarmado
ao bel prazer de alguns que tratam de impor a aceitação dessas mudanças.

Futuro incierto

El prado es enorme
las flores son pocas.

El bosque es enorme
los árboles son pocos.

Los humanos son multitudes
las conciencias son pocas.

El cerebro es el procesador más grandioso
sin embargo, en él
no hay capacidad de humanidad…
En algunos:
un Kilobyte. de memoria
un Kilobyte. de almacenamiento…

Etapas

Si has tenido éxitos en la vida
no te sientas el rey
ni, el que nunca "perderá"
o dejará el lugar a otro...
Porque nada es eterno;
te faltarán las fuerzas
la imaginación;
quizás un día no seas capaz
de seguir como lo hacías antes...

Moraleja:
Sé humilde en tus triunfos
y agradecido en la derrota
que eso será la lección
para incentivarte a hacer lo tuyo
con mayores bríos.

La primera impresión

No dejes que tus ojos y oídos
se lleven la primera impresión
respecto de una persona, o un pueblo...
Lo más importante
es la fuente de procesamiento
que tenemos en el cerebro,
la cual está imbuida de todo
un proceso de educación, valores
y principios que nos han preparado
para analizar y estudiar
antes de decidir o darle características
a una persona en lo particular
o, a un pueblo en general...

Moraleja:
Si no usamos la fuente del cerebro
para analizar situaciones;
cualquier resultado de nuestra impresión
será superficial
y no fuente fidedigna
de lo que se debe pensar.